RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण sabsetejprj2023@gmail.com शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025 वर्ष: 03, अंक: 281 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू.

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस ने भारत को खंडित आजादी दिलाई: जेपी नड्डा

अनुराग ठाकुर की शिकायत- टीएमसी सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहे, स्पीकर ने कहा- कार्रवाई होगी

नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र में गुरुवार को नौवें दिन की कार्यवाही जारी है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने स्पीकर ओम बिरला को शिकायत करते हुए कहा- टीएमस ी सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहे हैं। इस पर स्पीकर ने कहा कि एक्शन लिया जाएगा। विपक्ष के सवाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पेंट की जेब हाथ डाले हुए ही जबाव दे रहे थे। इस पर स्पीकर बिरला ने उन्हें टोका और कहा कि माननीय सांसद जेब से हाथ निकालकर जबाव दें। इस पर हरदीपसिंह पुरी ने तत्काल हाथ बाहर निकाले।

इधर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुबह लोकसभा पहुंचे। जैसे ही वे कार उतरे तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने उनसे मुलाकात की। रमेश ने 'सरदार पटेल की इनसाइड स्टोरीः मणिबेन पटेल की डायरी' नाम की किताब सौंपी। कहा- ये गुजराती में है, इसे पढ़िएगा। राजनाथ ने मुस्कुराते हुए कहा, 'अंग्रेजी में दीजिए। मैं गुजराती नहीं जानता हूं।' इतना कहकर राजनाथ सिंह आगे बढ़ गए। आज भी दोनों सदनों में चुनाव सुधार, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) और वोट चोरी जैसे मुद्दों पर हंगामे के आसार हैं।

राहुल का शाह को डिबेट का चैलेंज

इससे पहले गुरुवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृहमंत्री अमित शाह को डिबेट के लिए चैलेंज कर दिया था। दरअसल इससे पहले दौरान शाह ने कहा था कि चुनाव सुधार पर चर्चा से बीजेपी के लोग भागते नहीं है। लोकसभा में दोनों के बीच इसपर तीखी बहस भी हुई। शाह ने राहुल गांधी के लोकसभा में पूछे 3 सवालों का जवाब भी दिया। इस दौरान सदन में 7 से ज्यादा बार हंगामा हुआ। आखिर में कांग्रेस ने सदन से वॉकआउट कर दिया था।

नड्डा बोले- देश अनकंडीशनल सेंटीमेंट्स को ध्यान में रखकर चलता है।

देश अनकंडीशनल सेंटीमेंट्स को ध्यान में रखकर चलता है। वंदे मातरम् को वही सम्मान मिले, जो हम राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय ध्वज को मिलता है।

वंदे मातरम् को जो सम्मान मिलना चाहिए था, वह नहीं मिला: नड्डा

वंदे मातरम् को जो सम्मान मिलना चाहिए था, वह कभी नहीं मिला, और उस समय देश के नेता इसके लिए जिम्मेदार थे। 1937 में, जवाहरलाल नेहरू ने वंदे मातरम् के बारे में कुछ आपत्तियां जताईं। सितंबर 1937 में उर्दू लेखक अली सरदार जाफरी को लिखे एक पत्र में उन्होंने गाने की भाषा की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें बहुत ज्यादा मुश्किल शब्द हैं।

कंस्टीट्यूट असेंबली में राष्ट्रगान पर कितनी देर चर्चा हुई? : नड्डा बोले

नड्डा ने कहा कि मैं राष्ट्रगान का पूरे मन से सम्मान करता हूं, उसके सम्मान में अपना पूरा जीवन समर्पित करता हूं। लेकिन मैं जानना चाहता हूं कि कंस्टीट्यूट असेंबली में राष्ट्रगान पर कितनी देर चर्चा हुई? राष्ट्रीय ध्वज पर तो आपने कमेटी बिठाई, कमेटी की रिपोर्ट आई और उस पर विस्तृत चर्चा हुई, लेकिन जब राष्ट्रगान की बारी आई, तब आपने क्या किया? 1936-37 में नेहरू नेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष थे। 1937 में जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में और सांप्रदायिक तत्वों के दबाव में गीत में बदलाव किया गया। उन छंदों को हटा दिया गया, जिनमें भारत माता को हथियार पकड़े हुए मां दुर्गा के रूप में दिखाया गया था।

बीजेपी तमिलनाडु को सही से नहीं समझती: कार्ति चिदंबरम

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा- बीजेपी और उसके सहयोगी संगठन तमिलनाडु को अच्छी तरह से नहीं समझते हैं। तमिलनाडु में शायद भारत के सभी राज्यों में सबसे ज्यादा हिंदू हैं। तमिलनाडु के लोग भारत में सबसे ज्यादा भगवान को मानने वाले, रीति-रिवाजों को मानने वाले, रूढ़िवादी और मंदिर जाने वाले लोग हैं। उनका विश्वास इखढ की राजनीति से मेल नहीं खाता। बीजेपी के सहयोगी संगठन बेवजह विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। तमिलनाडु में अलग-अलग समुदाय साथ मिलकर रहते आए हैं, जब बाहर के लोग दखल देते हैं और ऐसे रीति-रिवाज बनाने की कोशिश करते हैं जो आम चलन का हिस्सा नहीं हैं, तभी ऐसे विवाद होते हैं। तमिलनाडु हिंदुत्व के उस रूप को खारिज कर देगा जिसे इखढ तमिलनाडु पर थोपने की कोशिश कर रही है। तमिलनाडु अपने विश्वास का पालन करता रहेगा और सांप्रदायिक सद्भाव भी बनाए रखेगा। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- जो सम्मान, स्थान वंदे मातरम् को मिलना चाहिए था, वो नहीं मिला, इसके लिए तब के शासक जिम्मेदार हैं।

चुनाव आयोग ने छह राज्यों में बढ़ाई एसआईआर की समयसीमा

यूपी में एसआईआर के लिए दो सप्ताह का विस्तार मांगा गया

नई दिल्ली

चुनाव आयोग आज विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर अहम फैसला लिया है। जानकारी के मुताबिक, चुनाव आयोग ने छह राज्यों में एसआईआर की समय सीमा को बढ़ाया है। जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में 31 दिसंबर तक समयसीमा को बढ़ाया गया है। आयोग का मानना है कि मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाना प्राथमिकता है, इसलिए अतिरिक्त समय देना आवश्यक हो सकता है।

एसआईआर का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची की सफाई और अद्यतन करना है, जिसमें डुप्लीकेट नाम हटाना, मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम निकालना और नए योग्य मतदाताओं (18 वर्ष से ऊपर) को शामिल करना शामिल है। देशभर में इस प्रक्रिया के जरिए फर्जी मतदान की संभावनाओं को भी कम किया जा रहा है। वर्तमान में एसआईआर का दूसरा चरण जारी है। पहले चरण की शुरूआत बिहार से हुई थी। अब दूसरे चरण में राज्यों में बूथ-स्तर अधिकारियों (बीएलओ) की तरफ से घर-घर जाकर सत्यापन किया जा रहा है। कई बीएलओ शिक्षक या सरकारी कर्मचारी होते हैं, जिसके कारण सीमित समय में पूरे क्षेत्र का सत्यापन करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है।

यूपी में एसआईआर के लिए दो सप्ताह का विस्तार मांगा गया

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बुधवार को कहा कि राज्य ने भारतीय निर्वाचन आयोग से मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को पूरा करने के लिए दो और सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया है। एक प्रेस बयान में, नवदीप रिणवा ने कहा कि यह विस्तार इसलिए मांगा गया था ताकि जिला चुनाव अधिकारी मृत मतदाताओं, अन्य स्थानों पर स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं और लापता मतदाताओं की प्रविष्टियों का पुनः सत्यापन कर सकें।

काशी तमिल संगमम: हनुमान घाट पर तमिल के पेशेवरों और कारीगरों के समूह ने किया गंगा स्नान

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में चल रहे काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण में भाग लेने आए तमिलनाडु के पेशेवरों और कारीगरों ने गुरूवार को हनुमानघाट पर गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान ध्यान के बाद सभी ने मां गंगा का पूजन भी पूरे श्रद्धाभाव से किया। गंगा स्नान के बाद तमिल समूह ने घाट पर स्थित प्राचीन मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान सभी लोगों को मंदिरों के इतिहास के बारे में जानकारी दी गई। इसके उपरांत तमिल डेलीगेट हनुमान घाट स्थित महाकवि सुब्रमण्यम भारती के घर पहुंचा। आवास पर महाकवि के तीसरे पीढ़ी के सदस्यों से उन्होंने मुलाकात की। समूह के लोगों में महाकवि के बारे में काफी कुछ जानने की जिज्ञासा दिखी। उन्होंने सुब्रमण्यम भारती के घर के समीप पुस्तकालय का भी भ्रमण किया। महाकवि के घर पर भ्रमण करने के उपरांत यह समूह कांची मठ पहुंचा और वहां के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

माघ मेला प्रयागराज का लोगो जारी

लोगो में सूर्य,चंद्रमा की 14 कलाओं की उपस्थिति

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। माघ मेले के इतिहास में पहली बार मेले के दर्शन तत्त्व को परिलक्षित करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्तर से माघ मेले का लोगो आज जारी किया गया है। इस लोगो के अन्तर्गत तीर्थराज प्रयाग, संगम की तपोभूमि तथा ज्योतिषीय गणना के अनुसार माघ मास में संगम की रेती पर अनुष्ठान करने की महत्वता को समग्र रूप से दशार्या गया है।

सर्वप्रथम लोगो में सूर्य एवं चंद्रमा की 14 कलाओं की उपस्थिति ज्योतिषीय गणना के अनुसार सूर्य, चंद्रमा एवं नक्षत्रों की स्थितियों को प्रतिबिंबित करता है जो प्रयागराज में माघ मेले का कारक बनता। भारतीय ज्योतिषीय गणना के अनुसार चंद्रमा 27 नक्षत्रों की परिक्रमा लगभग 27.3 दिनों में पूर्ण करता है। माघ मेला इन्हीं नक्षत्रीय गतियों के अत्यंत सूक्ष्म गणित पर आधारित है। जब सूर्य मकर राशि में होता है और पूर्णिमा के दिन चंद्रमा माघी या अश्लेषा-पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्रों के समीप होता है, तब माघ मास बनता है और उसी काल में माघ मेला आयोजित होता है।

चंद्रमा की 14 कलाओं का संबंध मानव जीवन, मनोवैज्ञानिक ऊर्जा और आध्यात्मिक साधना से माना गया है। माघ मेला चंद्र-ऊर्जा की इन कलाओं के सक्रिय होने का विशेष काल भी है। अमावस्या से पूर्णिमा की ओर चंद्रमा की वृद्धि (शुक्ल पक्ष) साधना की उन्नति के लिए सर्वश्रेष्ठ मानी गई है। माघ स्नान की तिथियाँ चंद्र कलाओं के अत्यंत सूक्ष्म संतुलन पर चुनी जाती हैं।

माघ महीने की ऊर्जा (शक्ति) अनुशासन, भक्ति और गहन आध्यात्मिक कार्यों से जुड़ी होती है क्योंकि यह महीना पवित्र नदियों में स्नान, दान, तपस्या और कल्पवास जैसे कार्यों के लिए विशेष माना जाता है। इस माह में किए गए कार्य व्यक्ति को निरोगी बनाते हैं और उसे दिव्य ऊर्जा से भर देते हैं।

प्रयागराज का अविनाशी अक्षयवट, जिसकी जड़ों में भगवन ब्रह्मा जी का, तने में भगवन विष्णु जी का एवं शाखाओं और जटाओं में भगवन शिव जी का वास है, उसके दर्शन मात्र से मोक्ष मार्ग सरल हो जाता हैं। इसी कारण कल्पवासियों में उसका स्थान अद्वितीय है। सनातन धर्म के अनुसार मनुष्य जीवन का परम लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति हैं अतः महात्मा का चित्र इस देव भूमि में सनातनी परम्परा को दशार्ता है जहां चिर काल से ऋषि-मुनि आध्यात्मिक ऊर्जा हेतु आते रहे हैं।

माघ मास में किए गए पूजन एवं कल्पवास का पूर्ण फल संगम स्नान के उपरांत श्री लेटे हुए हनुमान जी के दर्शन से प्राप्त होता है: अतः लोगों पर उनके मंदिर एवं पताका की उपस्थिति माघ मेले में किए गए तप की पूर्णता: की व्याख्या करता है। संगम पर साइबेरियन पक्षियों की उपस्थिति यहाँ के पर्यावरण की विशेषता को दर्शाता है। लोगो पर श्लोक "माघे निमज्जनं यत्र पापं परिहरेत् ततः" का अर्थ है माघ के महीने में स्नान करने से सभी पाप मुक्ति हो जाती है।

तमंचा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अनूप कुमार सिंह के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना बकेवर पुलिस द्वारा अभियुक्त इसरार खान पुत्र छोट्टन निवासी ग्राम कंशमीरीपुर थाना बकेवर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 20 वर्ष को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से एक देशी तमंचा 315 बोर व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर किया बरामद ।

सीओ ने जनपद के व्यापारी बंधुओ के साथ की मीटिंग

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अनूप कुमार सिंह के निर्देशन में गुरुवार को क्षेत्राधिकारी नगर गौरव शर्मा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन के सम्मेलन कक्ष में जनपद के व्यापारी बंधुओं के साथ मीटिंग की गई, जहां उनसे संबंधित समस्याओं को सुना गया व निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया ।

महिलाओं और बच्चों को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। एसपी अनूप कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर एण्टी रोमियो टीम द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया ।

नाबालिग को बहला-फुसला कर दुष्कर्म करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। 30 जून को थाना पश्चिम शरीरा पर एक वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि अभियुक्त सोनू, मेरी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसला कर भगा ले गया है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना पश्चिम शरीरा पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था । पीड़िता के बयान व सक्ष्य संकलन के आधार पर धारा 87/65(1) बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोतरी की गयी थी । उपरोक्त क्रम में गुरुवार थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सोनू पुत्र स्व0 फूलचन्द्र निवासी ग्राम शिवरतन का पूरा मजरा पूरब शरीरा थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को पूरब शरीरा नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया ।

जिलाधिकारी ने की शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज उदयन सभागार में शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने राजकीय विद्यालयां में बाउण्ड्रीवाल के निर्माण कार्य एवं प्रोजेक्ट अलंकार के अन्तर्गत कराए जा रहें कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए अधिशासी अभियंता, यू.पी.सिडको को निर्माण कार्य में तेजी लाकर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है, उन परियोजनाओं को शीघ्र हैण्डओवर कर दिया जाय। उन्होंने मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय एवं मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ समयबद्धता अवश्य सुनिश्चित किया जाय।

जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गॉधी आवासी बालिका विद्यालयों में एकेडमिक ब्लॉक, हॉस्टल एवं अतिरिक्त कक्ष के निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग एवं अधिशासी अभियंता, यू.पी.सी.एल.डी.एफ. से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कस्तूरबा गॉधी बालिका आवासीय विद्यालय, मूरतगंज में निर्माण कार्य लम्बित पाये जाने पर अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के ठेकेदार के विरूद्ध जुमार्ना लगाने एवं सम्बन्धित अभियंता की जिम्मेदारी तय करते हुए आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राजकीय महिला महाविद्यालय, मूरतगंज के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं से कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ समयबद्धता अवश्य सुनिश्चित किया जाय।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

शनिदेव धाम पर अंतराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के नये पदाधिकारियो का किया गया गठन

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज । प्रयागराज जनपद गंगापार में अंतराष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल की कोर कमेटी बैठक हुई सम्पन्न यह बैठक जिलाध्यक्ष संजय तिवारी के नेतृत्व की गई जिसमें जिला से लेकर गाँव तक पदाधिकारियो व सदस्यों का गठन किया गया ।और आज शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रवीण तोगड़िया के सत्तरवें जन्मदिन पर शनिदेव धाम बिजलीपुर व जिला से लेकर गाँव तक पूरे उत्तरप्रदेश मे सत्तर हनुमान चालीसा का पाठ संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा कराया जायेगा । वही शनिदेव धाम बिजलीपुर प्रयागराज में भी सत्तर हनुमान चालीसा का पाठ जिलाध्यक्ष संजय तिवारी के नेतृत्व एक भव्य आयोजन किया जा रहा है । इस बैठक में मुख्य रूप से काशी प्रान्त संगठन मंत्री संजय दुबे, जिला सयोंजक प्रदीप केशरवानी ,जिलाध्यक्ष संजय तिवारी, शिव विशाल तिवारी, मनोज यादव ,राज तिवारी , शिवदीप तिवारी, सुधांशु मिश्रा, आदि लोग उपस्थित रहे ।

ईशा आर डी पी स्कूल एण्ड कालेज में ज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ

न्यूक्लियर पावर प्लांट, सौर मंडल और फ्री एनर्जी इलेक्ट्रीकल प्लांट रहा आकर्षक का केंद्र

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। छात्रों को वैज्ञानिक अवधारणाओं और सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझने और उनका अन्वेषण करने के लिए इस तरह की कार्यशाला का आयोजन किया जाना चाहिए जो पाठ्यपुस्तकों से परे गहरी समझ विकसित करता है । इस तरह के आयोजन से छात्रों को नई चीजें बनाने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं के लिए नवीन समाधान खोजने के अवसर प्रदान करता है जिससे उनकी रचनात्मक क्षमता विकसित हो। उक्त बातें प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए प्रबन्धक विजय पाल ने कही ।

विकासखंड फूलपुर के बाबूगंज स्थिति ईशा आर डी पी स्कूल एण्ड कालेज में आयोजित सात दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी में नीतू पाल,आरूही चौरसिया व कोमल पाल ने फ्री एनर्जी इलेक्ट्रीकल प्लांट ,खुशी राव,आरूषि यादव, अलीना सेख ने न्यूकिल्यर पावर प्लांट , यशी सिंह, पूजा पटेल, राबिया बानो ने डी एन ए से रिलेटेड माडल, सुजल मौर्या,करन ने सौरमंडल, इशिका जायसवाल ने वाटर पार्क और अस्मित मोदनवाल, जतिन मिश्रा, आजाद पटेल और सुधीर ने प्लाज्मा कैनन का माडल प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर छात्र छात्राएं ,अभिभावक व विधालय के सभी अध्यापक व अध्यापिकाएं उपस्थिति रही। कार्यशाला का आयोजन प्रदर्शनी प्रमुख शिवाकांत शुक्ला ने किया।

आत्म निर्भर बनाने के लिए इफको कार्डेट में महिलाओं को दिया गया प्रशिक्षण

सब्जी एवं फल संरक्षण कर मुनाफा कमाने का बताया गया तरीका

मौजी लाल रावत

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। मोतीलाल नेहरू फारमसर्स ट्रैनिंग इंस्टीट्यूट कोरडेट इफको फूलपुर में बृहस्पतिवार को क्षेत्र के ग्राम हरभानपुर एवं हेमापुर की ग्रामीण महिलाओं हेतु फल संरक्षण एवं खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित कराया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के अचार व मुरब्बों को बनाने की विधियों की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को तकनीकी जानकारी देते हुए फल संरक्षण एवं खाद्य प्रसंस्करण इकाई प्रभारी श्रीमती सविता शुक्ला ने बताया कि यदि हम सीजन में अधिक मात्रा में और सस्ती सब्जियों व फलों को संरक्षित कर भंडारण कर ले तो अच्छी गुणवत्ता के सस्ते व स्वादिष्ट उत्पादों जैसे अचार , मुरब्बा, कैंडी , जूस आदि का निर्माण कर लाभ लिया जा सकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॉर्डेट के प्रधानाचार्य डॉ. डी.के.सिंह ने महिलाओं को कारडेट में हो रहे विभिन्न क्रियाकलापों से परिचित कराया साथ ही उन्हें स्वरोजगार करने में भविष्य में आने वाली कठिनाइयों व तकनीकी सहयोग के लिए कॉरडेट द्वारा मदद किए जाने का आश्वासन भी दिया। इफको फूलपुर इकाई के अधिकारी संघ के अध्यक्ष अनुराग तिवारी बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। प्रभारी आईआरडीपी राजेश कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों को इकाइयों का भ्रमण कराया और कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को हरी सब्जी उत्पादन हेतु प्रोत्साहित करने के लिए सीजीनी सब्जियों के पौधे निःशुल्क वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी प्रशिक्षण मुकेश तिवारी ने किया।

मुट्ठीगंज पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । थाना मुट्ठीगंज पुलिस द्वारा माननीय न्यायालय विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट अतरसुईया, कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा निर्गत वारण्ट से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त जाकिर अली उर्फ राजा पुत्र मुहम्मद शाबिर नि0 130/बी कटघर थाना मुट्ठीगंज जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर गुरुवार को वारण्टी अभियुक्त के घर के बाहर से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम

अरूण कुमार सिंह थाना मुट्ठीगंज .उ0नि0 विकास चौधरी .उ0नि0 राहुल कुमार सिंह थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज।

चार पहिया लक्जरी वाहन की टक्कर से अधेड़ घायल

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा कस्बे में एक चार पहिया वाहन की टक्कर से अधेड़ गंभीर घायल हो गया जिसे एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेज दिया गया जानकारी के अनुसार शैलेंद्र कुमार सिंह उम्र 48 वर्ष पुत्र बाबूलाल निवासी झारखंड ट्राला चालक है शैलेंद्र झारखंड से ट्राला में सरिया लाद कर दिल्ली जा रहा था आज गुरुवार सुबह अझुवा में कुछ सामान लेने के लिए ट्राला साइड में खड़ी कर दूसरी लेन में जा रहा था उसी दरमियान प्रयागराज की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार लग्जरी वाहन ने उसे टक्कर मार दिया और फरार हो गया हाईवे में हादसा देख मौके पर तमाम लोगों की मजमा लग गया लोगों ने घायल अधेड़ को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेज दिया युवक का एक पैर फ्रैक्चर और सिर में कई टांके लगाए गए हैं ऐसा बताया जा रहा है ।

एक युग का अंत, एक विरासत अमर : सांसद सीमा द्विवेदी

सांसद ने सिने स्टार धर्मेंद्र के प्रार्थना सभा में हुई शामिल, दी श्रद्धांजलि

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज / नई दिल्ली। सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने आज नई दिल्ली स्थित अंबेडकर भवन में हिंदी सिनेमा के महानतम कलाकार, सबके चहेते सिने स्टार धर्मेंद्र की स्मृति में आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुई। उन्होंने सांसद और सिने स्टार हेमामालिनी, उनकी बेटियों और परिजनों से मिलकर सांत्वना दिया। सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने कहा कि यह पल अत्यंत भावुक और गरिमामय था। उनके जाने से जो शून्य पैदा हुआ है, उसे कभी भरा नहीं जा सकता लेकिन इस सभा में उपस्थित होकर, उनके परिवार, सहकर्मियों और अनगिनत प्रशंसकों के साथ मिलकर उन्हें श्रद्धांजलि देना, उनके अद्भुत जीवन और बेमिसाल करियर को याद करना एक सच्चा सम्मान था। सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने कहा कि सिने स्टार धर्मेंद्र जी सिर्फ.एक अभिनेता नहीं थे; वह करोड़ों दिलों की धड़कन थे, जिन्होंने अपनी सादगी, दमदार अभिनय और मानवीय गर्मजोशी से पीढ़ियों को प्रेरित किया। उनके 'ही-मैन' वाले अंदाज से लेकर उनकी रूमानी अदाओं तक, उनकी हर छवि आज भी सिनेमा प्रेमियों के जहन में ताजा है।

पुलिस द्वारा दो वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना संदीपनघाट पुलिस टीम द्वारा मारपीट से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त माखन पुत्र भैयालाल निवासी ग्राम हर्रायपुर थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार थाना पश्चिम शरीरा पुलिस द्वारा चोरी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त अनिल कुमार पुत्र बोड़ी निवासी भगवतपुर थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया

पात्र लोगों से अपील आयुष्मान कार्ड बनवाएं रू0-05 लाख तक का निःशुल्क इलाज की सुविधा का लाभ उठायें- डीएम

स्वाती मिश्रा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल नेह्लगॉव की समस्या, गॉव में समाधान के अन्तर्गत आज ग्राम-पौर कॉशीरामपुर में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी द्वारा गॉव तक आने वाली संपर्क मार्ग की मरम्मत कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त करने पर सहायक अभियंता, लो.नि.वि. ने बताया कि मरम्मत कार्य एक सप्ताह में पूर्ण करा लिया जाएगा। उन्होंने ग्राम के लाभार्थियों से पेंशन, व्यक्तिगत शौचालय, राशन, पुष्टाहार मिलने एवं आवास आदि योजनाओं से लाभान्वित होने की जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि छूटे हुए सभी पात्र लोगों को शीघ्र लाभान्वित किया जाय। उन्होने प्रभारी चिकित्साधिकारी व ए.एन.एम. से वी.एच.एस.एन.डी. सेशन, नियमित टीकाकरण एवं गॉव में एच.आर.पी. महिलाओ की संख्या आदि जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि एच.आर.पी. महिलाओ पर विशेष ध्यान दिया जाय एवं उन्हें आवश्यकतानुरूप दवाएं व स्वास्थ्य सम्बन्धी जरूरी सलाह अवश्य दिया जाय।

जिलाधिकारी ने ग्राम में स्वयं सहायता समूह की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए उपायुक्त एन.आर.एल.एम. को और समूह का गठन कराने एवं समूह की महिलाओं को वर्मी कम्पोस्ट बनाने का प्रशिक्षण दिलाने व वर्मी कम्पोस्ट की ब्राण्डिंग/मार्केटिंग के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामवासियों से पूँछा कि अध्यापक समय से विद्यालय आते हैं या नहीं, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, बच्चों को पाठ्य पुस्तक का वितरण हुआ या नहीं तथा ठीक प्रकार से शिक्षण कार्य करते हैं कि नहीं, जिस पर ग्रामवासियो ने बताया कि अध्यापक विद्यालय समय से आते हैं एवं ठीक प्रकार से शिक्षण कार्य भी करते हैं। उन्होंने विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता की जॉच भी कराई।

ग्राम चौपाल में मुख्य चिकित्साधिकारी ने विभागीय योजनाओं/कार्यक्रमों के साथ ही आयुष्मान भारत योजना की जानकारी देते हुए सभी पात्र लोगों से अपील की कि अपना आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवा लें व रू0-05 लाख तक का निःशुल्क इलाज की सुविधा का लाभ उठायें। अधिशासी अभियंता, विद्युत ने एकमुश्त समाधान योजना की जानकारी देते हुए ग्रामवासियों से लाभान्वित होने की अपील की। जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने ग्रामवासियों को नजदीकी धान/बाजरा क्रय केन्द्र की जानकारी देते हुए क्रय केन्द्र पर ही धान विक्रय करने की अपील की।

78 लाख रुपये की जमीन का फर्जी बैनामा कराकर बैचने वाले महिला समेत 6 गिरफ्तार, खाते में 17 लाख 50 हजार रुपए फ्रीज कराये गये

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर । मंगलवार को वादिया उर्वशी गुप्ता पत्नी राजीव गुप्ता निवासी पटेल नगर बी ब्लॉक जनपद गाजियाबाद ने थाना ककोड पर तहरीर दी कि थाना ककोड क्षेत्रान्तर्गत ग्राम वैलाना में उसकी खेती की जमीन हैं, जिसे अज्ञात अभियुक्तों द्वारा जालसाजी कर किसी अन्य महिला को उर्वशी गुप्ता बनाकर दिल्ली निवासी पंकज जैन को बेच दिया गया हैं। इस सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया । उक्त घटना के क्रम में थाना ककोड पुलिस द्वारा जांच/विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान 08 अभियुक्तों के नाम प्रकाश में आये जिनमें से गुरुवार को थाना ककोड पुलिस द्वारा 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, अभियुक्तों के कब्जें से 01 लैपटॉप, 01 प्रिन्टर, 01 फर्जी आधार कार्ड व पैन कार्ड बरामद किये गये तथा अभियुक्ता के बैंक खाते में 17 लाख 50 हजार रुपए होल्ड कराये गये।

गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम पता

सतेन्द्र उर्फ सत्तु पुत्र होशियार सिंह निवासी ग्राम वैलाना. कुलदीप पुत्र प्रमोद भाटी निवासी उपरोक्त . कर्मवीर पुत्र रूप सिंह निवासी उपरोक्त . राजकुमार उर्फ राजा पुत्र समयवीर निवासी आच्छेपुर थाना रबूपुरा जनपद गौतमबुद्धनगर . संतोष कुमार पुत्र विशम्बर दयाल निवासी कस्बा बाजना थाना नौहझील जनपद मथुरा . संगीता चौधरी पत्नी योगेन्द्र निवासी उपरोक्त ।

गिरफ्तार अभियुक्तगण द्वारा आपस में मिलकर अभियुक्ता संगीता चौधरी उपरोक्त का फोटो लगाकर वादिया उर्वशी गुप्ता के नाम से फर्जी आधार कार्ड व पैन कार्ड बनवाये गये एवं भारतीय स्टेट बैंक शाखा ककोड में उर्वशी गुप्ता के नाम बैंक खाता खुलवाया गया तथा वादिया उर्वशी गुप्ता उपरोक्त की ग्राम वैलाना स्थित जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन दिल्ली निवासी राहुल जैन के नाम कर दी गयी।

तीन वारंटी को पुलिस ने पकड़ा भेजा जेल

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अनूप कुमार सिंह के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना कल्यानपुर पुलिस द्वारा चोरी भादवि से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त रोशन पुत्र फूलचन्द्र उम्र 20 वर्ष निवासी जैतीखेडा थाना कल्यानपुर फतेहपुर व वारंटी अभियुक्त इन्द्रजीत सिंह गौर पुत्र समरजीत सिंह गौर उम्र 46 करीब वर्ष निवासी मौहार थाना कल्यानपुर फतेहपुर । को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा आबकारी अधिनियम से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त नरेन्द्र पुत्र स्व0 सहदेव विश्वकर्मा नि0 ग्राम आसलपुर थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 52 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की हुई बैठक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति की बैठक की।

जिलाधिकारी ने आधार प्रमाणीकरण की समीक्षा के दौरान सभी खण्ड शिक्षाधिकारियों से कहा कि शत-प्रतिशत आधार प्रमाणीकरण का कार्य शीघ्र पूर्ण करा लिया जाय। विद्यालयां में कार्य पुस्तिका को भरवाया जाय। उन्होंने निपुण भारत मिशन की समीक्षा के दौरान सभी खण्ड शिक्षाधिकारियों से कहा कि विद्यालयों में अनुशासन सुनिश्चित किया जाय तथा मध्यान्ह भोजन के लिए निर्धारित समय को छोड़कर बच्चे अपने कक्षाओं में पढ़ते हुए एवं अध्यापक पढ़ाते हुए दिखाई दें। शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाय। निपुण तालिका के अनुसार बच्चों की लर्निंग सुनिश्चित किया जाय।

चौदहवीं स्वर्गीय दुर्गावती देवी इंटर स्कूल जूनियर सब जूनियर और सीनियर कैरम प्रतियोगिता प्रारंभ

सबसे तेज प्रयागराज

वाराणसी। चौदहवीं स्वर्गीय दुर्गावती देवी इंटर स्कूल जूनियर सब जूनियर और सीनियर कैरम प्रतियोगिता का आज सिंह निकेतन मलदहिया* में आज प्रातः दस बजे से शुरूआत हो गई ।

आज खेले मैचों में 14 वर्ष आयु के बालिका वर्ग में - आराध्या तिवारी एपीएस चोलापुर, सायरा बानो -मरियम एजूकेशन, अंशू यादव एपीएस चोलापुर और क्रिति एच एम एस पहाड़िया के अन्तिम चार में जगह बनाने में कामयाब रहीं तो वहीं

पूर्वी मिश्रा एपीएस चोलापुर, नंम्रा बख्तियार डालिम्स राम कटोरा, श्रेया गौतम सनबीम बरूणा, नाव्या सिंह- न्यू लाइव इंग्लिश स्कूल, निगार सिराज- डालिम्स रामकटोरा, निगार सेराज सनबीम भगवान पुर, श्रेयांशी सनबीम भगवानपुर, वैष्णवी पांडे एपीएस चोलापुर, 12 वर्ष आयु वर्ग के बालिका वर्ग के अंतिम आठ में पहुंचने में सफल रहीं। जब कि

12 आयु वर्ग बालक वर्ग में अर्पित सरोज एचएमएस पहाड़िया, शशांक सिंह एपीएस चोलापुर,सात्विक मिश्रा एपीएस चोलापुर, हर्षदीप सिंह एचएमएस पहाड़िया, असद सरफराज डालिम्स रामकटोरा, तेजस प्रकाश एपीएसस चोलापुर, आयुष कुमार एपपीएस चोलापुर, विक्रमजीत सिंह डालिम्स मोहिनी कुंज, राज सिंह एपपीएसस चोलापुर,शिखा शशांक पटेल सनबीम सारनाथ,

प्रांजल जायसवाल एपीएस चोलापुर, अजीत अजय सनबीम बरूणा,आर्यन सिंह एचएमएस पहाड़िया, राज सिंह एपीएसस चोलापुर लगातार तीसरी विजय के साथ प्री क्वार्टर में पहुंच गये। 14 वर्ष आयु वर्ग के बालक वर्ग में - अंशुमान सिंह एचएमएस पहाड़िया, अरिंदम त्रिवेदी डालिम्स रामकटोरा, सूर्यांश मिश्रा एपीएस चोलापुर, शिवांश वर्मा डालिम्स रामकटोरा, अनुपम गौरव सनबीम भगवान पुर,

निशांत सिंह एपीएस चोलापुर, अंकित कुमार एचएमएस पहाड़िया,दिव्यांशु पटेल एपीएस चोलापुर, रुद्र नारायण सिंह सनबीम भगवानपुर,मोहम्मद हमजा मरियम एजुकेशन, लक्ष्य नारायण एचएमएस पहाड़िया, हितेश चौरसिया सनबीम भगवानपुर,ओम गर्ग एसएमएस पहाड़िया, अंश श्रीवास्तव एचएमएस पहाड़िया, फैजान अली एपीएस चोलापुर,भी तीसरे चक्र की बाधा पार करके प्री क्वार्टर में जगह बनाने में सफल रहे ।

वाराणसी कैरम एसोसिएशन और सिंह सर्वार्थ सिद्धि ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में 15 सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों के १२,१४ और १८ आयु वर्ग के 170 बालक? बालिका खिलाड़ियों सहित दो दर्जन सीनियर वर्ग के महिला वर्ग के खिलाड़ियों को भी प्रतियोगिता में भाग लेने रहे हैं ।

प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन उत्तर प्रदेश कैरम एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री बैजनाथ सिंह ने कैरम बोर्ड पर स्ट्राइक करके किया । इससे पूर्व स्वर्गीय दुर्गावती देवी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।आज के मैचो का कुशल संचालन इंटरनेशनल रेफरी श्री रमेश कुमार वर्मा और सहायक प्रधान निर्णायक रेणुका राय के देखरेख और आयोजन सचिव अश्विनी चकवाल के नेतृत्व में अम्पायर श्री प्रसाद सोनी, अभिषेक विश्वकर्मा, सन्दीप यादव, अश्वनी मौर्या, रामदयाल यादव, प्रियांशु यादव, नूरैन खान, विनोद यादव , आर्या, सौम्या , कुणाल गोस्वामी आदि ने मैचों का सफल संचालन किया।

ई रिक्शा की छिनैती में वांछित अभियुक्त छीने गए ई रिक्शा के साथ थाना कैंट पुलिस द्वारा गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

वाराणसी। पुलिस आयुक्त कमिश्नेरट वाराणसी द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने के क्रम में पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन अपर पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन व सहायक पुलिस आयुक्त सर्किल कैण्ट कमि0 वाराणसी के पर्यवेक्षण मे अपराधियों के विरुद्ध "जीरो टालरेन्स" की नीति अपनाते हुए कठोर दण्डात्मक कार्यवाही किये जाने तथा अभियोगों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक कैण्ट की टीम द्वारा आपरेशन चक्रव्यूह के तहत चेकिंग में ई रिक्शा की छिनैती में वांछित अभियुक्त 1 छीने गए ई रिक्शा के साथ गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम आशुतोष पासवान पुत्र जय नाथ पासवान निवासी हाल पता पंचकोशी सब्जी मंडी थाना सारनाथ जनपद वाराणसी है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम मे शिवाकान्त मिश्र प्रभारी निरीक्षक

उ0नि0 आशुतोष त्रिपाठी ,उ0नि0 प्रवेश कुंतल,उ0नि0 अभिषेक सिंह

का0 नागेन्द्र कुमार ।थाना कैण्ट कमि0 वाराणसी शामिल रहे।

भाकियू अराजनैतिक के मंडल अध्यक्ष ने डीएम व एडीएम नगर को सौंपा ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। गुरुवार को प्रयागराज जनपद के किसानों की कई समस्या हेतु मनीष कुमार वर्मा जिला अधिकारी प्रयागराज एवं सत्यम मिश्रा अपर जिला अधिकारी नगर प्रयागराज से भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे ने मुलाकात कर तहसील सोरांव के ग्राम सभा बारी जूड़ा दादूपुर कृष्णापुर हरमदिला शिवगढ़ लाल खातू में औद्योगिक गलियारा बनाए जाने हेतु ली जा रही जमीन का सर्किल रेट बढ़ा कर लाल खातू की तरह बढ़ाएं जाने एवं जमुना पार के तहसील मेजा के टोंस नदी में हों रहें अवैध बालू के खनन को लेकर खनन माफिया के खिलाफ कार्यवाही तथा तहसील करछना से संबंधित कई समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन जिलाधिकारी प्रयागराज एवं अपर जिलाधिकारी नगर को दिया गया जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा द्वारा 30% सर्कल रेट प्रति बीघा बढ़ाये जाने का भी आश्वासन दिया गया इस अवसर पर डा रामराज पटेल मंडल सलाहकार चंचल मिश्रा युवा मंडल उपाध्यक्ष विजय कुमार पांडे जमुना पार अध्यक्ष बजरंगी मिश्रा जमुना पार प्रभारी विजय कुमार पटेल युवा गंगा पार अध्यक्ष अंगद मौर्या ब्लॉक अध्यक्ष मुन्ना मिश्रा ब्लॉक उपाध्यक्ष मनोज कुमार पांडे रामानंद पटेल एवं कल्याण लोक मौजूद रहे।

एसएसपी ने प्रशस्ति पत्र देकर पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह द्वारा एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली आईजीआरएस में बुलन्दशहर पुलिस को प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। माह नवम्बर में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए जनपद बुलन्दशहर प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है। पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले जनपद के विभिन्न थाने क्रमशः कोतवाली नगर, कोतवाली देहात, औरंगाबाद, गुलावठी, चोला, स्याना, नरसेना, बीबीनगर, अरनिया, जहांगीरपुर, शिकारपुर, पहासू, अहमदगढ़, सलेमपुर, अनूपशहर, अहार, छतारी, नरौरा, रामघाट शीर्ष रैंक पर रहे हैं तथा शेष थानों पर अपेक्षित सुधार के लिए निर्देशित किया गया है। पुलिसकर्मियों को महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक नगर शंकर प्रसाद द्वारा उत्साहवर्धन किया गया।

माघ मेला: पुलिस अफसरों ने किया निरीक्षण

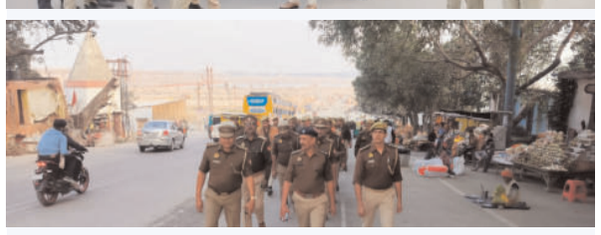

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पुलिस अधीक्षक माघ मेला नीरज कुमार पांडेय के दिशा निर्देश पर माघ मेला 2026 को सकुशल संपन्न कराने के लिए क्षेत्राधिकारी जल पुलिस दिनेश कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक संगम, कल्पवासी, कोतवाली, 112 के साथ माघ मेला ड्यूटी हेतु आए हुए कर्मचारीगणों ने मेला क्षेत्र के हरिहर आरती चौराहा, बक्शी बाँध, फोर्ड रोड चौराहा, तालाब नवल राय रोड, लाल मार्ग, तिकोनीया चौराहा का भ्रमण किया` द्वितीय चरण में आए हुए समस्त बल को भीड़ प्रबंधन, यातायात योजना, और सुरक्षा प्रबंध की जानकारी की गई इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक नगेंद्र नागर समेत कई पुलिसकर्मी मौजूद रहें।

कपसेठी पुलिस द्वारा लूट के मुकदमें में त्वरित कार्यवाही करते हुये 3 अभियुक्तगण को लूट के माल सहित गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

वाराणसी। पुलिस आयुक्त वाराणसी के द्वारा जुर्म एवं जरायम के रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व पुलिस उपायुक्त गोमती जोन कमिश्नरेट वाराणसी व अपर पुलिस उपायुक्त गोमती जोन के कुशल निर्देशन एवं सहायक पुलिस आयुक्त राजातालाब गोमती जोन कमिश्नरेट वाराणसी के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक के कुशल मार्गदर्शन में रोकथाम जुर्म जरायम व विभिन्न मुकदमों में वांछित वारंटियों/अभियुक्तो के गिरफ्तारी के क्रम में आज मैं उपनिरीक्षक अभिषेक कुमार तिवारी मय हमराही कर्मचारीगण के क्षेत्र में मौजूद था। जरिये मुखबीर खास की सूचना मिली की साहब ग्राम पूराशिव चकलोला बाग में कुछ संदिग्ध लोग मौजूद है। यदि जल्दी किया तो पकड़े जा सकते है। मुखबीर खास की बात पर विश्वास कर हमराह अधिकारी/कर्मचारीगण को अवगत कराते हुये पुलिस टीम द्वारा तत्काल प्रस्थान कर ग्राम पूराशिव चकलोला बाग के पास पहुंचकर देखा तो तीन संदिग्ध लोग मौजूद मिले। जिन्हे पुलिस बल द्वारा मौके पर हिकमतअमली करते हुये कब्जा पुलिस में लिया गया तथा पकडे गये लोगों से नाम पता पूछा गया तो अपना नाम क्रमशः शिवम पटेल पुत्र मोतीलाल पटेल नि० ग्राम रामपुर थाना

कपसेठी वाराणसी उम्र करीब 19 वर्ष ,छोटे लाल पुत्र हरिनाथ पटेल नि० ग्राम चकईपुर थाना नेवढियाँ जनपद जौनपुर उम्र करीब 23 वर्ष आशीष पटेल पुत्र संतोष पटेल नि० ग्राम रामपुर थाना कपसेठी जनपद वाराणसी उम्र करीब 19 वर्ष बताया जिनके जामा तालाशी से कुल 45900/- रुपये व एक अदद एंड्राईड मोबाइल रियलमी ब्रांड मिला। जिसके संबंध में पूछने पर बताया कि साहब 9/12/2025 की रात में हमलोगों ने एक चारपहिया गाड़ी को रोककर डरा धमकाकर रुपये व मोबाईल को लूट लिया था। तथा चालक से गाड़ी की चाभी छिनकर पास के झाड़ियों में फेक कर मौके से भाग गये थे। पकड़े गये अभियुक्तगण।. शिवम पटेल पुत्र मोतीलाल पटेल नि० ग्राम रामपुर थाना कपसेठी वाराणसी उम्र करीब 19 वर्ष 2. छोटे लाल पुत्र हरिनाथ पटेल नि० ग्राम चकईपुर थाना नेवढियाँ जनपद जौनपुर उम्र करीब 23 वर्ष 03. आशीष पटेल पुत्र संतोष पटेल नि० ग्राम रामपुर थाना कपसेठी जनपद वाराणसी उम्र करीब 19 वर्ष का नाम प्रकाश में लाते हुये लूट के माल की बरादमगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी की गयी।

प्रभारी निरीक्षक थाना कपसेठी द्वारा मुकदमा पंजीकृत होने के पश्चात तत्काल एक्शन लेते हुये पुलिस टीम का गठन कर अज्ञात मुल्जिमान की गिरफ्तारी व माल की बरामदगी हेतु क्षेत्र में मामूर किया गया था तथा पुलिस टीम के अथक परिश्रम से मुकदमा पंजीकृत होने के 12 घंटे के भीतर ही मुकदमे के अज्ञात मुल्जिमानो को पकड़ा गया और अभियुक्तगण के कब्जे से लूट के माल की सफल बरामदगी की गयी।

गिरफ्तार 03 नफर अभियुक्तगण 1. शिवम पटेल पुत्र मोतीलाल पटेल नि० ग्राम रामपुर थाना कपसेठी वाराणसी उम्र करीब 19 वर्ष 02. छोटे लाल पुत्र हरिनाथ पटेल नि० ग्राम चकईपुर थाना नेवढियाँ जनपद जौनपुर उम्र करीब 23 वर्ष 03. आशीष पटेल पुत्र संतोष पटेल नि० ग्राम रामपुर थाना कपसेठी जनपद वाराणसी उम्र करीब 19 वर्ष को नियमानुसार पुलिस हिरासत में लेकर आवश्यक कार्यवाही कीं जा रही है।

गिरफ्तार करने वाली टीम का विवरण मे सधुवन राम गौतम प्रभारी निरीक्षक थाना-कपसेठी

व0उ0नि0 सोमन कुमार थाना कपसेठी

कमि० वाराणसी उ0नि0 राजेश सिंह

प्र०चौ० बाजार कालिका थाना कपसेठी

कमिश्नरेट वाराणसी

उ0नि0 विनय कुमार प्रजापति प्र०चौ० धवकलगंज थाना कपसेठी कमिश्नरेट वाराणसी उ0नि0 अभिषेक कुमार तिवारी थाना कपसेठी कमिश्नरेट वाराणसी उ0नि0 शशांक राय थाना कपसेठी कमिश्नरेट वाराणसी हे0का0 उमेश सिंह, हे0का0 सुरेन्द्र यादव, का0 आकाश कुमार कमिश्नरेट वाराणसी शामिल रहे।

पुलिस द्वारा 2 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। थाना जार्जटाउन पुलिस द्वारा दहेज प्रतिषेध अधिनियम से सम्बन्धित 2 वारण्टी अभियुक्तों राकेश कुमार यादव उर्फ टिंकू पुत्र स्व0 बाबू लाल निवासी म0नं0- 683/84 पुरानी सोहबतियाबाग थाना जार्जटाउन प्रयागराज. राजू यादव पुत्र स्व0 बाबू लाल निवासी म0नं0- 683/84 पुरानी सोहबतियाबाग थाना जार्जटाउन प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर गुरुवार को पुरानी सोहबतियाबाग थाना क्षेत्र जार्जटाउन से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

उ0नि0 योगेन्द्र कुमार सिंह, थाना प्रभारी थाना जार्जटाउन. उ0नि0 राहुल कुमार साह, थाना जार्जटाउन, कमिश्नरेट प्रयागराज ।

धोखाधड़ी में वांछित महिला गिरफ्तार

प्रयागराज । थाना जार्जटाउन पुलिस द्वारा धोखाधड़ी से सम्बन्धित वांछित अभियुक्ता आशा सिंह पत्नी फूल सिंह निवासिनी म0नं0- 17/1अमरनाथ झां मार्ग थाना जार्जटाउन जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर गुरुवार को थाना जार्जटाउन के पास से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

काशी हिंदू विश्वविद्यालय में संपन्न हुआ "नेचुरल प्रोडक्ट रिसर्च में वर्तमान प्रवृत्तियाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन सत्र

सबसे तेज प्रयागराज

वाराणसी। बीएचयू में संपन्न हुआ नेचुरल प्रोडक्ट रिसर्च में वर्तमान प्रवृत्तियाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन सत्र। नेचुरल प्रोडक्ट रिसर्च में वर्तमान प्रवृत्तियाँ विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का वैलेडिक्टरी सत्र आज बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत भारत रत्न महामना पं. मदन मोहन मालवीय को पुष्पांजलि अर्पित करने और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस सम्मेलन का उद्घाटन 9 दिसंबर को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी द्वारा किया गया था।

डॉ. श्वेता कुमारी की टीम, विभाग–वोकल म्यूज़िक, एम.एम.वी. द्वारा बीएचयू कुलगीत प्रस्तुत किया गया। प्राचार्या प्रो. रीता सिंह ने स्वागत संबोधन देते हुए सम्मेलन में हुई महत्वपूर्ण शैक्षणिक चर्चाओं और प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की। सम्मेलन के संयोजक डॉ. राजीव मिश्रा ने अपने संबोधन में बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय आयोजन विभिन्न विद्वानों की सामूहिक बौद्धिक सहभागिता का सफल

परिणाम है।

मुख्य अतिथि प्रो. डी. के. उप्रेति, एमेरिटस वैज्ञानिक और भूतपूर्व निदेशक सीएसआईआर एनबीआरआई, लखनऊ, ने वैलेडिक्टरी व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान के बढ़ते महत्व, बहुविषयी दृष्टिकोण और वैज्ञानिक सहयोग की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। आयोजन सचिव डॉ. शाची सिंह ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें तकनीकी सत्रों, मुख्य व्याख्यानों, शोध प्रस्तुतियों और शैक्षणिक संवादों का सार शामिल था। इसके बाद श्रेष्ठ मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियों के पुरस्कार घोषित किए गए और प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और सम्मेलन की उच्चस्तरीय शैक्षणिक गुणवत्ता, व्यवस्थाओं और सुव्यवस्थित आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम का समापन डॉ. राकेश पांडेय द्वारा प्रस्तुत औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी गणमान्य अतिथियों, वक्ताओं, विद्वानों, आयोजक मंडल, स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। सम्मेलन 9 दिसंबर को प्रारंभ हुआ और पिछले दो दिनों में भारत तथा विभिन्न देशों से आए अनेक वक्ताओं ने अपने नवीनतम शोध निष्कर्ष साझा किए। डॉ. अचरण एस. नरूला (नरूला रिसर्च अमेरिका), प्रो. विभव तिवारी (मिडवेस्टर्न यूनिवर्सिटी), डॉ. अशुतोष त्रिपाठी (यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन, अमेरिका), प्रो. गुयेन थी किम ओआन्ह (एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, थाईलैंड), डॉ. येरलान सुलैमान और डॉ. गुलनूर के. ममितबेकोवा (के. कुलाजानोव, कजाख विश्वविद्यालय, कजाखस्तान), डॉ. अबू सैयद (एचएमडी, यूनिवर्सिटी ऑफ बांग्लादेश), प्रो. जनार्दन लामिछाने और डॉ. राजेन्द्र झवाली (काठमांडू विश्वविद्यालय, नेपाल), डॉ. एशर बार-ताल (एग्रिकल्चरल रिसर्च ऑर्गनाइजेशन, इजराइल) तथा डॉ. स्टीफन न्योनी (चिन्होई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ज़िम्बाब्वे) ने अपना नवीनतम कार्य प्रस्तुत किया। भारत के प्रख्यात वैज्ञानिक–डॉ. शुदेश कुमार यादव, डॉ. राकेश मौर्य, डॉ. कोनेनी वी. सशीधरा, प्रो. सुभाष चन्द्र गुप्ता, डॉ. कपिल देव, प्रो. यामिनी भूषण त्रिपाठी, प्रो. सूर्य प्रताप सिंह, प्रो. अमिताभ रक्षित तथा डॉ. देव प्रकाश चतुर्वेदी ने भी अपने उच्च गुणवत्ता और पथ-प्रदर्शक शोध प्रस्तुत किए।

काशी तमिल संगमम् 4.0 में मनाई गई महाकवि सुब्रमण्यम भारती की 144वीं जयंती

सबसे तेज प्रयागराज

वाराणसी। तमिल साहित्य और संस्कृति के प्रतीक महाकवि सुब्रमण्यम भारती की 144वीं जयंती आज काशी तमिल संगमम् 4.0 में विशेष रूप से मनाई गई। इस अवसर का आयोजन सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ क्लासिकल तमिल (सी आई सी टी) के स्टॉल पर किया गया, जिसमें संस्थान के कर्मचारियों के साथ-साथ महर्षि अगस्त्य वाहन अभियान (सेव) समूह के लगभग 50 सदस्यों ने भाग लिया। सी आई सी टी द्वारा समूह के सदस्यों का सम्मान किया गया। उन्होंने कार्यक्रम को और प्रभावशाली बनाने के लिए महाकवि भारती को समर्पित पोस्टर और रील्स तैयार कर सोशल मीडिया एवं सी आई सी टी की वेबसाइट पर साझा किए। प्रसन्नता और उत्साह से भरे माहौल में सभी को मिठाइयाँ और चॉकलेट वितरित की गईं, जिससे समारोह की सौहार्दपूर्ण भावना और बढ़ गई। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि महाकवि भारती के परिवार के सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर महान कवि, स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक भारती की शिक्षाओं, उनकी लेखनी और उनके अमूल्य योगदान को याद किया। सी आई सी टी ने कहा कि काशी तमिल संगमम् जैसा मंच उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, और ऐसे आयोजनों से साहित्य तथा स्वतंत्रता संग्राम की विरासत नई पीढ़ियों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण प्रयास होता है। महर्षि अगस्त्य वाहन अभियान सेव समूह के कार्तिक सरस्वात ने कहा, ह्लहम पिछले 10 दिनों से यात्रा पर हैं और विभिन्न जिलों में हमारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। काशी में आज हमने बाबा विश्वनाथ का दर्शन किया और सुब्रमण्यम भारती के इतिहास को बहुत करीब से जाना। तेनकासी से काशी तक की यह यात्रा अत्यंत प्रेरणादायक रही है। शिक्षा मंत्रालय की पहल तथा विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ह्एक भारत, श्रेष्ठ भारतह्ल की परिकल्पना हमारे देश की एकता को मजबूत करती है। यह कार्यक्रम चौथी बार आयोजित किया जा रहा है, और इस बार भाषाओं का आदान-प्रदान भी हो रहा है। हमने यहाँ कई स्टॉल देखे और अनेक लोग तमिल में बातचीत करते हुए मिले। सुब्रमण्यम भारती एक प्रसिद्ध तमिल लेखक, कवि, पत्रकार, भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और बहुभाषी प्रतिभा के धनी थे। उनका जन्म 11 दिसंबर 1882 को हुआ था। आधुनिक तमिल कविता के प्रवर्तक के रूप में उन्हें ह्लमहाकवि भारतीह्ल की उपाधि दी गई, जिसका अर्थ है – महान कवि भारती।

महाकवि भारती महिलाओं के सशक्तिकरण, बाल विवाह विरोध, धर्म-सुधार, अद्वितीय देशभक्ति और ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध स्वतंत्रता आंदोलन में उनके साहित्यिक योगदान के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं। वाराणसी के हनुमान घाट पर उनका आवास स्थित है, जहाँ आज भी उनके परिवार के सदस्य रहते हैं। गौरतलब है कि महाकवि सुब्रमण्यम भारती की 144वीं जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षा मंत्रालय द्वारा आज नई दिल्ली में भारतीय भाषा उत्सव भी आयोजित किया जा रहा है।

माघ मेला : आपदा प्रबंधन की बैठक सम्पन्न

भीड़ प्रबंधन, पार्किंग, फायर, होल्डिंग एरिया, आपातकालीन व्यवस्था पर किया गया विचार-विमर्श

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। माघ मेला के आयोजन के दृष्टिगत आपदा प्रबंधन की कार्यवाहियों को बेहतर करने के उद्देश्य से एवं दिनांक 22 एवं 23 दिसम्बर, 2025 को प्रस्तावित सिम्पोजियम कम टेबल टॉप एक्सरसाइज के सम्बंध में मेला प्राधिकरण के आईसीसीसी सभागार में आपदा प्रबंधन की बैठक उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पुलिस आयुक्त जोगेन्द्र कुमार, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मेलाधिकारी ऋषिराज तथा अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में भीड़ प्रबंधन, विभिन्न मार्गों पर बनाये गये पार्किंग स्थलों पर व्यवस्था, फायर, होल्डिंग एरिया, आपातकालीन व्यवस्था, जल पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, रेलवे, रोडवेज, विद्युत सहित अन्य विभागों के साथ आपदा प्रबंधन के बारे में विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी ने कहा कि माघ मेला के आयोजन को सुगम एवं सुरक्षित बनाने में आपदा प्रबंधन का विशेष महत्व है। माघ मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत आपदा प्रबंधन के सभी पहलुओं पर ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है जिसमें कि महत्वपूर्ण पहलू सभी विभागों के मध्य आपसी समन्वय एवं पूर्वाभ्यास है। उन्होंने कहा कि मुख्य स्नान पर्वों के अलावा सामान्य दिनों में भी सावधानी एवं सतर्कता बनाये रखना आवश्यक होगा। कहा कि प्रत्येक सेक्टर के सेक्टर मजिस्टेज्ट एवं पुलिस उपाधीक्षक तथा अग्निशमन अधिकारी एक-दूसरे से समन्वय बनाते हुए तथा संयुक्त रूप से मेला क्षेत्र का भ्रमण कर मार्गों का अवलोकन कर मार्गों के बारे में अच्छी तरह से जानकारी प्राप्त कर ले, जिससे कि किसी भी आपात स्थिति में सम्बंधित स्थल पर शीघ्रता से पहुंचा जा सके। लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी ने मेला में आने वाले एक-एक मार्गों पर बनाये गये पार्किंग स्थलों के बारे में भी जानकारी ली, जिसपर उन्हें बताया गया कि कुल 7 मार्गों से श्रद्धालुओं का आगमन होगा और इन मार्गों पर कुल 42 स्थानों पर पार्किंग बनायी जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्किंग स्थलों पर मूवमेंट फ्री रहे। आपातकालीन योजना के बारे में एसएसपी मेला नीरज पाण्डेय ने बताया कि आपातकालीन योजना के तहत भीड़ प्रबंधन हेतु 8 प्रकार की योजना बनायी गयी है, जिनका उपयोग किया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रिवेंशन ही मुख्य कार्य है, इसलिए जैसे-जैसे मेले की बसावट हो रही है, वैसे-वैसे लोगो को अग्नि सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ विद्युत सुरक्षा और अग्निसुरक्षा ऑडिट का भी कार्य होता रहे। अलाव को कैम्पों के अंदर की बजाय शिविरों में निर्धारित स्थान पर ही जलाया जाये। अग्निशमन विभाग एवं विद्युत विभाग इस सम्बंध में सभी आवश्यक तैयारियां समय से सुनिश्चित करा लें। स्वास्थ्य विभाग से सम्बंधित कार्ययोजना के बारे में विचार-विमर्श करते हुए उन्होंने कहा कि मेला क्षेत्र में एम्बुलेंस की लोकेशन के बारे में सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्वास्थ्य विभाग को अवश्य जानकारी रहे तथा एम्बुलेंस के चालक सभी मार्गों का भ्रमण कर मार्गों के बारे में अच्छे ढंग से जानकारी प्राप्त कर ले, जिससे त्वरित गति से घटना स्थल पर पहुंच सके।

संपादकीय

मानवता के कल्याण का सहभागी है मानवाधिकार

भोपाल गैस त्रासदी (1984) के बाद मानवाधिकार के महत्व को आम व्यक्तिय महसूस कर रहा है । मानवाधिकार एक चिर-परिचित क्षेत्र है। परन्तु, यह जानना व समझना सचमुच महत्वपूर्ण है कि मानव अधिकारों की पकड़ व समझ आपको बेहतर भविष्य के साथ-साथ मानवता के कल्याण का सहभागी भी बना सकती है। मानवाधिकार राष्ट्रीयता, निवास- स्थान, लिंग, राष्ट्रीय या नैतिक स्त्रोत, रंग, धर्म, भाषा या किसी अन्य स्थिति से परे सभी व्यक्तियों में निहित अधिकार हैं। हम सभी, बिना किसी भेदभाव के अपने मानवाधिकार के समान रूप से हकदार हैं। ये अधिकार परस्पर संबंधी, एक-दूसरे पर आश्रित होते हैं। सार्वभौमिक मानवाधिकारों को प्रायः समझौतों, प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय विधि, सामान्य सिद्धांतों तथा अंतर्राष्ट्रीय विधि के अन्य स्त्रोतों के रूप में विधि द्वारा अभिव्यक्त किया जाता है तथा इनका आश्वासन दिया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार विधि व्यक्तियों या समूहों के मानवाधिकारों तथा मूलभूत स्वतंत्रता को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए कई रूपों में कार्य करने एवं कई कृत्यों से दूर रहने के दायित्व निर्धारित करते हैं । 10 दिसंबर सन 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा अस्तित्व में लाये गये मानवाधिकार ने अब तक 70 वर्ष की यात्रा पूरी कर ली है। इन अधिकारों के जन्म लेने के साथ ही इसमें शामिल सदस्यों का यह कर्तव्य बन गया है कि स्थापित सरकारी ,गैर-सरकारी संगठनों द्वारा मानवाधिकारों का संरक्षण और उनकी देखभाल करें। सूखा, बाढ़, गरीबी, अकाल, सुनामी, भूकंप, युद्ध या दुर्घटनाओं के चलते जो लोग शिकार हो रहे है, पीड़ित या परेशान चल रहे है उनके मानवाधिकारों का ध्यान रखा जाना बहूत जरूरी है ।ूमन राइट्स में डिग्री प्राप्ति बाद छात्रों को स्टेट ूमन राइट्स कमीशन, नेशनल एंड स्टेट कमीशन ऑन चिल्ड्रन नेशनल ूमन राइट्स कमीशन, लेबर वेलफेयर, यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम, यूनाइटेड नेशंस ूमन राइट्स कमीशन, एमनेस्टी इंटरनेशनल, एशियन सेंटर फॉर ूमन राइट्स डॉक्यूमेंटेशन सेंटर और रेड क्रॉस जैसे संगठनों में काम करने का अवसर मिलता है।

मानव अधिकार में निम्नलिखित बातें शामिल हैंः-सुरक्षा अधिकार - जो व्यक्तियों की, हत्या, जनसंहार, उत्पीड? तथा बलात्कार जैसे अपराधों से रक्षा करते हैं। ये अधिकार आर्थिक तथा सामाजिक अधिकारों के रूप में जाने जाते हैं। जिनमें शिक्षा का तथा अत्यंत निर्धनता और भुखमरी से रक्षा का प्रावधान है । जो विजाति-संहार के विरुद्ध एवं देशों द्वारा उनके राष्ट्रीय क्षेत्रों तथा संसाधनों के स्वामित्व के लिए समूहों को रक्षा प्रदान करते हैं ।राष्ट्रों को मानवाधिकारों के प्रयोग में हस्तक्षेप करने से अथवा उसके प्रयोग को घटाने से बचना चाहिए। रक्षा के दायित्वों के संबंध में राष्ट्रों को, मानवाधिकारों के दुरूपयोगों से व्यक्तियों या समूहों की रक्षा करनी चाहिए। पूरा करने के दायित्व का अर्थ है कि राष्ट्रों को मूल मानवाधिकारों के प्रयोगों के कारगर बनाने के लिए सकारात्मक रूख अपनाना चाहिए। व्यक्तिगत स्तर पर, जब कि हम अपने मानवाधिकारों के हकदार हैं, हमें अन्यों के मानवाधिकारों का भी सम्मान करना चाहिए ।मानवाधिकार विषय अंतर्गत के मानव अधिकारों और कर्तव्यों की संकल्पना,मानव अधिकारों की अवधारणा के ऐतिहासिक विकास, प्रकृति और मानव अधिकारों का वर्गीकरण ,सामाजिक, आर्थिक और मानवाधिकार के राजनीतिक पहलु,मानवाधिकार परिषद, मानवाधिकार के लिए उच्चायुक्त द्वारा उनके राष्ट्रीय क्षेत्रों तथा संसाधनों के स्वामित्व का अध्ययन, प्राचीन भारत में धर्म की अवधारणा, सामाजिक आंदोलन और स्वतंत्रता संग्राम, भारतीय संविधान के तहत मानव अधिकारों व्यक्तियों के मौलिक कर्तव्य, कानून के तहत मानव पर दवाओं का परीक्षण आदि शामिल है ।

गोवा हादसाः झुलसती संवेदनाएं और नाकाम होती व्यवस्था

(लेखक- ललित गर्ग/

एक बार फिर एक भीषण आग ने 25 मासूम जिंदगियों को छीन लिया। गोवा के नाइट क्लब में हुई यह त्रासदी केवल आगजनी नहीं, बल्कि हमारे सिस्टम की जड़ता, गैर-जिम्मेदारी और नैतिक पतन की ज्वलंत मिसाल है। गोवा का जो नाइट क्लब आग की चपेट में आया, वह नियमों की अनदेखी करके तो चलाया ही जा रहा था, उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं किए गए थे। रही-सही कसर इससे पूरी हो गई कि नाइट क्लब में आने और जाने का रास्ता बेहद संकरा था। आग की चपेट में आने वालों की संख्या इसलिए अधिक बढ़ गई, क्योंकि बचने के लिए उन्होंने जिस रास्ते को सुरक्षित समझा, वहां पहले से ही लोग फंसे हुए थे। इस तरह से आनंद और उत्सव का स्थल अचानक जीवन समाधि में बदल गया, वह अनेक सवाल हमारे सामने खड़े करता है, क्या हम सीखने की क्षमता खो चुके हैं? क्यों हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजा घोषित होता है, कुछ दिन हंगामा होता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है? पूर्व में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत और अनेक शहरों में समान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। होटल, मॉल, थिएटर, अस्पताल, फैक्ट्री, कोचिंग सेंटर-लापरवाही की आग में झूलसनों वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन हमारी संवेदनशीलता का स्तर छोटा होता जा रहा है। आगजनी की घटनाओं का सिलसिला तो लगातार है, परंतु सुरक्षा मानकों के प्रति हमारी उदासीनता और घोर लापरवाही भी उतनी ही स्थायी है। यह बात स्पष्ट है कि हादसे किसी तकनीकी गलती का परिणाम भर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और राजनीतिक मिलीभगत की देन भी हैं।

गोवा अपनी पहचान पर्यटन से बनाता है। नाइट लाइफ, समुद्री तटों का आनंद, मनोरंजन गतिविधियां और विदेशी पर्यटक इसका स्वाभाविक आकर्षण हैं। ऐसे प्रदेश में इस प्रकार का हादसा केवल मानवीय त्रासदी नहीं, बल्कि छवि और अर्थव्यवस्था का गहरा नुकसान भी है। भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री पहले ही प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को लेकर चुनौतियों से जूझ रही है। यह घटना विश्व के सामने एक सवाल बनकर खड़ी है-क्या भारत सुरक्षित पर्यटन देश है? क्या यहां गैर-जिम्मेदाराना ढांचे और भ्रष्ट तंत्र के बीच किसी का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है? इस प्रकार के हादसों में दो बड़े चरित्र सामने आते हैं-सरकार की सुस्ती और आयोजकों की लालचपूर्ण मानसिकता। अधिकांश नाइट क्लब, बार, पार्क या मनोरंजन स्थल ऐसे होते हैं जहां प्रवेश शुल्क, अवैध संचालन और आर्थिक लाभ का बड़ा खेल चलता है। इमारतों की मंजूरी, फायर सुरक्षा की अनुमति, बिजली के तारों का रखरखाव, निकास मार्ग-ये सभी चीजें फाइलों में तो दर्ज होती हैं, लेकिन जमीन पर गायब रहती हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की सजगता की जगह संबंध और सुविधा शुल्क काम करता है।

निरीक्षण के नाम पर औपचारिकता ढहती है और बीते हुए हादसे केवल याद बनकर रह जाते हैं।

नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर हम हादसों को नियति क्यों मान लेते हैं? हर घटना के बाद नेताओं के बयान आते हैं-ह्लदोषियों को बख्शा नहीं जाएगाह्व, ह्लउच्च स्तरीय जांच की जाएगीह्व, ह्लमुआवजा दिया जाएगाह्व, लेकिन क्या कभी हमने दोषियों को सजा होते देखा है? कभी किसी अधिकारी को बर्खास्त होते देखा है? क्या किसी क्लब या होटल की अनुमति स्थायी रूप से रद्द की गई? जवाब अधिकतर नहीं है। यही वह सत्य है जो बताता है कि हमारा समाज हादसे को दुख तो मानता है पर समस्या नहीं मानता। अजीब विडंबना यह है कि हादसे के शिकार गरीब या आम नागरिक होते हैं, लेकिन इस त्रासदी से गुजरी व्यवस्थाओं को कोई चोट नहीं लगती।

इंडिगो एयरलाइंस अभूतपूर्व अराजकता को झेल रहे हजारों यात्री, सरकार किंकर्तव्यविमूढ़

अशोक भाटिया

भारतीय विमानन क्षेत्र में पिछले छह दिनों से चल रही अभूतपूर्व अराजकता और अराजकता में मुख्य खलनायक इंडिगो एयरलाइंस को हर दिन सैकड़ों उड़ानें रद्द करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, हजारों यात्री विभिन्न हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं, जिनमें से कई गैर-वापसी योग्य सामान के कारण हैं, जो पिछले सप्ताह की शुरूआत में शुरू हुआ था। उस समय कई कारण थे और कई कंपनियों की एयरलाइंस बाधित हो गई थीं। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते गए, बाकी उड़ानें बहाल हो गईं और इंडिगो की सेवाएं निलंबित रहीं और अभी भी सामान्य नहीं हो रही हैं। एयर स्ट्राइक के नतीजे आखिरकार संसद में पड़ रहे हैं। ऐसे संकेत हैं कि इंडिगो के शीर्ष प्रबंधन को संसदीय समिति के सामने जाना होगा, जो ठीक है, लेकिन इंडिगो का पाप यह है कि वह तब तक नहीं टली जब तक कि पायलटों के काम के घंटों पर नए नियम लागू नहीं हो गए।

पिछले साल इस बात पर चर्चा शुरू हुई थी कि कितने चरणों को लागू किया जाएगा, और इस साल लगभग आम सहमति थी कि नियमों को दो चरणों में लागू किया जाएगा, 1 जुलाई और 1 नवंबर, काम के घंटे कम किए जाएंगे, लेकिन प्रसार का विस्तार किया जाएगा, क्योंकि छुट्टियों के दौरान अधिक उड़ानें निर्धारित हैं।यह जानने के लिए ज्यादा समझदारी की जरूरत नहीं है कि अन्य प्रमुख कर्मियों की कमी होगी और अगर ऐसा होता है तो उड़ानें रद्द करनी पड़ेंगी। यह अजीब है कि इंडिगो प्रबंधन के उच्च शिक्षित और विदेशी प्रभुत्व वाले प्रबंधन को इसकी अनुपस्थिति देखनी चाहिए। पायलटों की संख्या बढ़ाने का मतलब था नई नियुक्तियाँ। इससे लाभ मार्जिन से इस अर्थ में अक्षम्य परिहार किया गया कि इससे लाभ कम हो जाएगा। तथ्य यह है कि इंडिगो ने लापरवाह किया जब वह पर्याप्त रूप से जानता था कि वह पायलटों के आराम के घंटों को बढ़ाने और आधी रात से सुबह तक सबसे जोखिम भरी अवधि के दौरान उड़ानों की संख्या को कम करने जैसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों पर समझौता नहीं कर सकता है, इसका सीधा संबंध पायलटों और यात्रियों की सुरक्षा से है। यह समझना आवश्यक है कि यह सुविधाजनक भ्रम कैसे है, जो नियामकों की देश की सार्वभौमिक और प्रचलित धारणा का आधार है।

इंडिगो की भविष्यवाणी यह है कि इस क्षेत्र का नियामक, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) कुछ भी गलत नहीं कर पाएगा। लेकिन क्यों नहीं? जनवरी 2024 में, फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन

शीर्षक के तहत पायलटों के काम के घंटों के नियमों को 1 जून, 2024 से अंतिम रूप दिया गया था, जिसे अंततः 1 जुलाई, 2025 और 1 नवंबर, 2025 तक बढ़ा दिया गया था, जब दिल्ली उच्च न्यायालय ने ऊऋृउअ और सरकार से इसके बारे में पूछा था। यह वह सवाल है जो वह आज पूछ रहे हैं, लेकिन इस दौरान डीजीसीए क्या कर रहा था, यह कई लोगों के लिए एक असुविधाजनक सवाल होगा। कंपनी के कम से कम 10 प्रतिशत विमान, जिसकी भारत के यात्री विमानन बाजार में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है, किसी कारण से जमीन पर लटके रहे। इसलिए डीजीसीए को अनुमान लगाना चाहिए था कि क्या होगा। नए नियमों को लागू करने में देरी के बारे में पता चलने के बाद विमानन कंपनियों, विशेष रूप से इंडिगो को समय-समय पर डीजीसीए से सवाल और अलर्ट मिलने की उम्मीद थी। नवंबर में जब इंडिगो नियमों के दूसरे चरण को लागू करने में थक गई थी, तब तक यह पता लगाने में बहुत देर हो चुकी थी कि क्या कुछ विमानों को अपने पायलटों के साथ गीले पट्टे पर खरीदा जा सकता है। इस साल डीजीसीए के साथ भी ऐसा ही हुआ। डीजीसीए नियामक और नियामक परीक्षण में भी विफल रहा है। इंडिगो लापरवाह और शायद चतुर दिखाई दी। डीजीसीए ने जो देखा वह सरासर अज्ञानता थी। आज भी यात्रियों को इसके लिए भारी कीमत चुकानी पड़ती है। नाक में पानी पहुंचने के बाद कारण बताओ नोटिस, चार सदस्यीय जांच समिति आदि प्रशासनिक औपचारिकताओं के माध्यम से पारित किए गए, जिससे न तो यात्रियों को फायदा हुआ और न ही सरकार को इंडिगो पर शासन चला। सप्ताह के अंत में हस्तक्षेप करने और किराया सीमा और टिकट की कीमत वापस करने का आदेश देने में डीजीसीए की विफलता।

रेगुलेटर्स का न होना, ये व्यवस्था की निरंतरता है। रेगुलेटर विनियमित और नियंत्रण के लिए होते हैं, और हमारे शासकों में भ्रम की स्थिति है, जो एक तरफ ट्रल्ले४ ऋङ्ग५ी१ल्लीेल्ल३ कहती हैं, और दूसरी तरफ ट७४ ऋङ्ग५ी१ल्लंल्ली और अ‍ेल्लि२३१३ङ्ग१२, जो ङ्ग५ी१ल्लंल्लू के वाहक होते हैं, रेगुलेटर्स को दिशाहीन बनाते हैं, बोलती हैं। यह यहां अनादि काल से चला आ रहा है। कई उदाहरण दिए जा सकते हैं। एनरॉन के ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश करने के लंबे समय बाद, विद्युत अधिनियम, जो इस क्षेत्र में निजी आपूर्तिकताओं को भी नियंत्रित करता है, अस्तित्व में आया। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का गठन निजी दूरसंचार कंपनियों के लिए दरवाजे खोलने के बाद किया गया था। निजी बीमा कंपनियों के लिए ट्रेल के प्रसार के कुछ ही समय बाद, बीमा नियामक प्राधिकरण (आईआरडीए) का जन्म यहां हुआ था। निजी कंपनियों को स्वतंत्रता एक खुली अर्थव्यवस्था की एक सामान्य विशेषता है। लेकिन स्वतंत्रता एक खुला मैदान नहीं है, और इन कंपनियों को बंद होने से रोकने के लिए नियामकों का निर्माण और सशक्तिकरण अनिवार्य है। इंडिगो के कहर में सबसे महत्वपूर्ण मामलों में से एक डीजीसीए की विफलता है। दुनिया में कहीं भी एयरलाइन चलाना बेहद जोखिम भरा है। प्रत्येक सफल एयरलाइन के बिजनेस मॉडल को लेंस के माध्यम से देखा जाना चाहिए। भारत जैसे देश में किंगफिशर, एयर डेक्कन, जेट एयरवेज जैसी सफल कंपनियां रसातल में चली गई हैं। ये दौर पुराना भी नहीं है। एफडीटीएल नियमों को लागू करने के निर्देश मिलने के बाद इंडिगो ने दो बार अपनी वार्षिक बैलेंस शीट जारी की है। पायलट की बढ़ी हुई आवश्यकता के लिए भर्ती प्रक्रिया कब शुरू होगी, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। साथ ही डीजीसीए को सतर्क रहकर कंपनी से इस बारे में पूछना चाहिए था। पिछले पांच दिनों में किसी को नौकरी के लिए इंटरव्यू नहीं मिल रहा होगा, किसी ने बीमार रिश्तेदारों के पास नहीं जा पाया होगा, किसी की शादियां रद्द करनी पड़ी होंगी, एयरपोर्ट पर फंसे लोगों को दो दिन से सामान नहीं मिला होगा, दवाइयों की कमी हो गई होगी, पानी की बोतलें थीं, सैनिटरी पैड की कमी थी, इन सभी की हालत हमारे रेगुलेटर देख रहे थे। वे लगे हुए हैं।

बंगाल में उभरते हिन्दू स्वरों में बदलते राजनीतिक समीकरण

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल इन दिनों धार्मिक और राजनीतिक उफान का केंद्र बना हुआ है। बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक समूहों की सक्रियता के बीच हिन्दू धर्मगुरुओं एवं संगठनों की मोचाबंदी ने क्या हिंदू क्रांति का शंखनाद किया है? क्या यह आगामी विधानसभा चुनावों में हिंदू वोटों को एकत्र करने का नया एजेंडा है, या पश्चिम बंगाल में लगातार हिन्दुओं पर हो रहे हमलों, उनको कुचलने की कुचेष्टाओं एवं मुस्लिम तुष्टीकरण का माकुल जबाव है। बाबा बागेश्वर धाम-धीरेन्द्र शास्त्री सहित अनेक हिंदू धर्मगुरुओं के प्रवचनीय हस्तक्षेप, लाखों लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ और संतों की हुंकार से एक नई चेतना आकार लेती दिखाई दे रही है। यह उभार महज आस्था का नहीं, बल्कि पहचान, सुरक्षा और गौरव के भावों का उभार है।

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाना मानो एक सोए हुए राक्षस को जगाने जैसा है, क्योंकि यह केवल एक मस्जिद का प्रश्न नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की कसौटी है।

सदियों से चला आ रहा बाबरी विवाद भारत की सामाजिक चेतना पर गहरे जख्म छोड़ चुका है- जिसने राजनीति को उग्र बनाया, समुदायों को बाँटा और नफरत व हिंसा के बीज बोए। ऐसे समय में जब राष्ट्र विभिन्न संकटों से जूझ रहा है, इस विवाद को नए भूगोल में स्थानांतरित कर हवा देना सामाजिक सामंजस्य एवं राष्ट्रीय एकता के लिए घातक हो सकता है। सद्भाव और शांति की बुनियाद पर खड़े भारत को ऐसे मुद्दों की आवश्यकता है जो एकता को मजबूत करें, न कि पुराने घाव कुरेदकर समाज में तनाव और अविश्वास पैदा करें। अतः आवश्यक है कि नेतृत्व इस संवेदनशील विषय को विवेक, संवाद और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर संभाले, ताकि भारत का बहुलतावादी चरित्र और साझा सभ्यता सुरक्षित रह सके।

निश्चित ही बाबरी मस्जिद विवाद को हवा देकर कुछ मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक वर्गों ने तनाव का वातावरण खड़ा किया है। इन दो समानांतर धाराओं की टकराहट ने बंगाल को विमर्श के केंद्र में ला दिया है कि क्या राज्य में हिंदू संगठित होकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षडयंत्रों का अंत चाहते हैं? बंगाल परंपरा से बौद्धिक और सांस्कृतिक बहुलता का प्रदेश रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में हिंदू सामाजिक मानस में एक बदलाव दिख रहा है। ह्लगजवा हिंदह्व के प्रलापों के प्रतिकार में ह्लभगवा हिंदह्व का संकल्प उभर रहा है। पांच लाख से अधिक हिंदुओं द्वारा एक साथ गीता पाठ करना इसी उभार का संकेत है, जिसमें धर्म प्रदर्शन शक्ति और अस्मिता के रूप में सामने आता है। साध्वी ऋतंभरा के वक्तव्यों ने इस उभार को एक नया स्वर दिया है। उनका स्पष्ट कथन कि ह्लयह धरती प्रभु श्रीराम की है और श्रीराम की ही रहेगीह्व बंगाल सहित पूरे देश के हिंदू मानस में गूंज रहा है। यह कथन सिर्फ आस्था की घोषणा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आधिपत्य की अनुभूति का उद्घोष है। उनके भाषणों में उभरती चेतावनी है कि यदि हिंदू अपनी संस्कृति, परंपरा और मंदिरों की रक्षा के लिए नहीं उठे तो इतिहास स्वयं उनसे जवाब मांगेगा।

इस पृष्ठभूमि में बाबरी विवाद का पुनर्स्मरण राजनीति का साधन भी प्रतीत होता है। मुस्लिम संगठनों द्वारा इसकी मांगों को आगे बढ़ाना और नेताओं द्वारा इसे मुद्दा बनाना निश्चित ही सामाजिक भावना को चुनौती देता है। इसका प्रतिउत्तर धार्मिक मंचों से आया है, जहां प्रवचनों और सभाओं ने इसे हिंदू गौरव और अस्तित्व के प्रश्न के रूप में चित्रित किया है। ऐसे में यह कहना असंगत नहीं कि बंगाल की जमीन पर हिंदू पहचान की राजनीति तेजी से आकार ले रही है और हिन्दू धर्मगुरुओं के स्वर इसे वैचारिक ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं।

लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हो सकारात्मक प्रयास

लेखकः
रमेश सर्राफ धमोरा

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते है। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है । 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं, और मानवाधिकार प्राप्य हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्त्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल हैकि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19,20,21,23,24,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है।

भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है।

बाहरी दुनिया की चकाचौंध के बीच भीतरी संसार को सँभालना ही जीवन का सबसे बड़ा संतुलन

-प्रियंका सौरभ

आज का मनुष्य निरंतर दौड़ में है—लक्ष्य पाने की दौड़, दिखावे की दौड़, और दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करने की दौड़। इस भागदौड़ के बीच जो सबसे अधिक छूट गया है, वह है मनुष्य का अपना आंतरिक जगत। आधुनिक जीवनशैली ने हमें बाहरी दुनिया से इतना जोड़ दिया है कि हम स्वयं से मिलने का समय ही खो बैठे हैं। ऐसे समय में ह्यएकांतह्ल कोई विलासिता नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य आवश्यकता बन गया है। यही वह क्षण है जब जीवन हमें धीरे से कहता है—आंतरिक रूप से एकांत में रहिए, लक्ष्यहीन जीवन मत बिताइए, ध्यान कीजिए और अच्छी पुस्तकें पढ़िए।

जीवन की दिशा तभी स्पष्ट होती है जब मन के भीतर शांति हो। लक्ष्यहीन भटकाव केवल थकाता है, प्रेरित नहीं करता। आत्मिक यात्रा के लिए एकांत वह दीपक है जो मन की गहराइयों को रोशन करता है। ध्यान और अध्ययन उस गहराई को दिशा देने वाले दो मजबूत स्तंभ हैं। ध्यान व्यक्ति को स्थिरता देता है और अध्ययन उसे विस्तार प्रदान करता है। दोनों मिलकर जीवन में लक्ष्य, अनुशासन और सृजनात्मकता का संचार करते हैं।

मनुष्य सामाजिक प्राणी है—लोगों में थोड़ा घुलनाझमिलना जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। किन्तु वास्तविक समस्या तब उत्पन्न होती है जब हम लोगों में इतने खो जाते हैं कि स्वयं से मिलने का अवसर ही न बचे। इसलिए प्रतिदिन एकझदो घंटे अपने लिए निकालना केवल मानसिक स्वास्थ्य नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन का सबसे बड़ा मंत्र है। यही समय हमें सजग बनाता है, थकान को धोता है, और भीतर की ऊर्जा को पुनः भरता है।

एकांत का आनंद उठाना किसी पलायन का नाम नहीं है। यह स्वयं को पुनः निर्मित करने की प्रक्रिया है। यह वह शांति है जो किसी कोने में बैठकर मन को उसकी मौलिक लय में वापस ले आती है। यह वह स्पेस है जहाँ जीवन के अनुत्तरित प्रश्न स्वयं उत्तर बनने लगते हैं। विचार निर्मल होते हैं, भावनाएँ संयमित होती हैं, और लक्ष्य स्पष्ट होने लगते हैं। इतने सारे लाभों के बावजूद लोग एकांत से डरते हैं, क्योंकि उन्होंने स्वयं के साथ बैठने का अभ्यास ही नहीं किया।

एकांत का आनंद लेने का अर्थ यह नहीं कि समाज से विमुख हो जाएँ। मनुष्य का व्यक्तित्व पूर्ण तब होता है जब वह एकांत और मेलझमिलाप के बीच संतुलन बनाए रखे। जब आप दूसरों से मिलें तो पूरे प्रेम और मित्रता के साथ मिलें। आपकी उपस्थिति लोगों के मन में सकारात्मकता भर दे, यह एक साधना है; और इस साधना का आधार भी एकांत ही है। जो व्यक्ति भीतर से स्थिर होता है, वही दूसरों के लिए प्रेरणा बनता है।

आज के समय में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि लोगों के बीच रहते हुए भी लोग भीतर से अकेले हो गए हैं, और अकेले रहते हुए भी स्वयं से कटे हुए हैं। ऐसे माहौल में एकांत हमें उसी तरह बचाता है जैसे समुद्र में तैरते हुए किसी नाविक को तट बचाता है। जीवन की तेज हवाओं में यह हमारा एंकर बन जाता है।

एकांत जीवन को संतुलन देता है। ध्यान उसे गहराई देता है। अध्ययन उसे दिशा देता है। और प्रेम—वह जीवन को सार्थक बनाता है। समाज को ऐसे ही व्यक्तियों की आवश्यकता है—जो भीतर से शांत हों और बाहर से करुणामय; जो अपनी अकेली सुबहों में आत्मा को मजबूत करते हों और अपनी भीड़ भरी दोपहरों में दुनिया को मुस्कान देते हों; जिनकी उपस्थिति लोगों को छोटा न करे बल्कि ऊँचा उठाए; जिनकी वाणी में विनम्रता हो, मन में करुणा हो और जीवन में दृढ़ता।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर पूर्व सांसद ने की चित्रकूट व अतर्रा बाईपास के निर्माण की मांग

चित्रकूट के खोह रेलवे क्रासिंग के अधूरे ब्रिज को पूरा करने का भी किया अनुरोध

चित्रकूट। बुंदेलखंड के कद्दावर राजनेता एवं बांदा- चित्रकूट के पूर्व सांसद आर के सिंह पटेल ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से बुधवार को मुलाकात कर पर्यटकों एवं स्थानीय जनमानस को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए जनपद चित्रकूट में राम गमन मार्ग एवं बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाले चित्रकूट बाईपास एवं बांदा जनपद के अतर्रा कस्बे में प्रस्तावित बाईपास का निर्माण जल्द से जल्द कराये जाने की मांग की है। इसके अलावा चित्रकूट के खोह में अधूरे पडे ओवरब्रिज का कार्य अभिलम्ब पूर्ण कराये जाने का अनुरोध किया है।

पूर्व सांसद आर के सिंह पटेल ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना राम वन गमन मार्ग का निर्माण कार्य बहुत जल्द शुरू हो रहा है। जिसे आने वाले दो से तीन वर्ष में पूर्ण किये जाने का लक्ष्य है। जिसके अंतर्गत जनपद अयोध्या से श्रृंगवेरपुर धाम होते हुए चित्रकूट धाम को जोड़ा जा रहा है। राम वन गमन मार्ग जनपद चित्रकूट में बेडीपुलिया के करीब स्थित चकला राजरानी नामक गांव से एनएच-35 होते हुए मध्य प्रदेश को जाएगा। राम वन गमन

मार्ग में एनएच-35 जो प्रयागराज से चित्रकूट से होकर जाता है, उसमें खोह रेलवे क्रॉसिंग के पास से चकला राजधानी मार्ग होते हुए बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे तक फोरलेन का बाईपास मार्ग बनाए जाने की स्वीकृति हो चुकी है, जमीनों का मुआवजा आदि भी दिया जा चुका है। निर्माण की टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, किंतु अभी तक निर्माण कर चालू नहीं किया गया है।उन्होने केंद्रीय मंत्री से राम वन गमन मार्ग को राजापुर रम्पुरिया अव्वल से चकला राजरानी तक चित्रकूट बाईपास सहित पूरे मार्ग का निर्माण तत्काल चालू कराए जाने की का अनुरोध किया है।

इसके अलावा पूर्व सांसद श्री पटेल ने केंद्रीय मंत्री से चित्रकूट जनपद में झांसी से मिजार्पुर राष्ट्रीय राजमार्ग में स्थित खोह रेलवे क्रॉसिंग पर कई वर्षों से अधूरे पडे रेलवे ब्रिज का निर्माण जल्द से जल्द कराये जाने की मांग की है। इसके अलावा पूर्व सांसद ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री को अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश के बांदा जनपद के अतर्रा नगर पालिका में भारी वाहनों का आवागमन होता रहता है तथा आए दिन जाम की समस्या बनी रहती है एवं दुर्घटनाएं होती रहती हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग-35 अतर्रा से गुजरता है। क्षेत्रीय जनता द्वारा लगातार अतर्रा में बाईपास निर्माण कराए जाने की मांग की जा रही है। उन्होने बताया कि आपके द्वारा जनपद महोबा के कार्यक्रम के दौरान अतर्रा बाईपास निमार्ण की घोषणा की गई थी।जिसको जल्द से जल्द निर्माण कराये जाने की आवश्यकता है।

झुग्गी झोपड़ियां और होटलों में पुलिस का विशेष चेकिंग अभियान, कोई संदिग्ध नहीं मिला

बांदा।

उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बुधवार की रात पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले व्यक्तियों, सड़क किनारे बनी अस्थायी बस्तियों, किराएदारों तथा होटल-ढाबों में ठहरे लोगों की विस्तृत जांच की गई।

पुलिस टीमों ने जनपद के प्रमुख मार्गों, यात्रा मार्गों, बाजार क्षेत्रों और बाहरी इलाकों में स्थित अस्थायी निवास स्थलों, ढाबों और होटलों में जाकर पहचान पत्र, ठहरने का उद्देश्य तथा स्थानीयता की पुष्टि की। गहन पड़ताल के दौरान न तो कोई संदिग्ध व्यक्ति मिला और न ही किसी प्रकार की अवैध गतिविधि का पता चला। सभी व्यक्तियों की पहचान स्थानीय निवासियों के रूप में की गई।

क्षेत्राधिकारी कृष्णकांत त्रिपाठी ने बताया कि जनपद के सभी थानों की पुलिस ने होटल, धर्मशाला, रैन बसेरा और डेरा आदि स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। पूरे अभियान के दौरान कोई भी संदिग्ध व्यक्ति नहीं मिला, जिससे स्थिति सामान्य पाई गई।

उन्होंने कहा कि जिले में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाए रखने के लिए भविष्य में भी ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाते रहेंगे, ताकि किसी भी अवांछित गतिविधि पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित हो सके।

अजीतमल थाना व स्वाट टीम की बड़ी कार्रवाई: मुठभेड़ में एक अभियुक्त घायल, दो बाल अपचारी सहित कुल तीन गिरफ्तार

औरैया।

पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन के अपराध नियंत्रण अभियान के तहत उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के थाना अजीतमल व स्वाट/सर्विलांस टीम ने गुरुवार को बड़ी सफलता हासिल की। गौकशी की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मुठभेड़ के दौरान एक अभियुक्त शोएब को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया, जबकि उसके साथ मौजूद दो बाल अपचारियों को भी दबोच लिया। इन तीनों पर ग्राम चपटा डेरा, चौकी ऊंचा क्षेत्र में तालाब किनारे मिले गौवंश अवशेषों से जुड़े मुकदमे में कार्रवाई की गई।

घटना के संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक आलोक मिश्रा ने बताया कि 10 दिसंबर को गौवंश अवशेष बरामद होने पर थाना अजीतमल में मु0अ0सं0 681/25 पंजीकृत किया गया था। इसके बाद गुरुवार को सुबह तीन बजे मदन ढाबा, भीखेपुर मोड़ पर पुलिस टीम संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी तभी मुखबिर की सूचना पर दलेल नगर की ओर से आती एक अपाचे मोटरसाइकिल को रोका गया। रुकने के संकेत पर बाइक सवार भागने लगे और हड़बड़ी में बाइक फिसल गई।

अपने को घिरता देख एक आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिस पर पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की। इसमें शोएब के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। उसके कब्जे से एक अवैध .315 बोर का असलहा, कारतूस, गड़ासा, छुरी, रस्सी व मोटरसाइकिल बरामद हुई। घायल को उपचार हेतु सीएचसी अजीतमल भेजा गया।

गिरफ्तार शोएब पर गैंगस्टर एक्ट व गौवध निवारण अधिनियम समेत कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस टीम की इस संयुक्त कार्रवाई की अधिकारियों ने सराहना की। आगे की विधिक कार्यवाही जारी है।

वाराणसी आने वाले लोगों के लिए बस अड्डा, रेलवे स्टेशनों, बड़े चौराहों पर बनने लगे रैन बसेरा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ठंड से निपटने के लिए प्रत्येक जनपद में अस्थायी रैन बसेरा निर्माण आरंभ हो गए है। वाराणसी के महापौर अशोक तिवारी की देखरेख में नगर निगम के अधिकारियों ने भी शहर के विभिन्न स्थानों पर अस्थायी रैन बसेरा बनवाने की शुरूआत कर दी है। शहर में बाहर से आने वाली लोगों, निराश्रित व्यक्तियों के मद्देनजर रोडवेज बस अड्डा, रेलवे स्टेशनों, बड़े चौराहों के निकट रैन बसेरों को बनवाया जा रहा है।

वाराणसी में रात्रि पहर तापमान 12 डिग्री तक पहुंच गया है। नगर निगम ने स्टेशन मार्ग पर रैन बसेरा बनवाया है, जिसकी विधिवत शुरूआत 15 दिसम्बर से होगी।

पुलिस टीम पर हमला करने वाला आरोपित मुठभेड़ में गोली लगने से घायल

सिपाही को अधमरा कर दरोगा की रिवाल्वर लूटने की घटना में फरार था आरोपित

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के कुरारा थाना क्षेत्र में बुधवार की रात पुलिस ने मुठभेड़ में पुलिस टीम पर हमला करने वाले एक आरोपित को गोली मारकर लंगड़ा कर दिया है। उसके कब्जे से दरोगा की लूटी गई रिवाल्वर, मैंगजीन बरामद की है। घायल आरोपित को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

सीओ सदर राजेश कमल ने गुरुवार को बताया कि दो दिसम्बर को देर शाम हरौलीपुर पुलिस चौकी का सिपाही आशीष कुमार मौर्या दो पक्षों के विवाद

की शिकायत पर जांच करने गए थे जहां उसे भीड़ ने बंधक बनाकर अधमरा कर दिया था। सिपाही को बचाने गए चौकी प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद के साथ हमला कर उनकी रिवाल्वर व मैंगजीन भीड़ ने लूट लिया था। घटना में उन्नीस लोगों को नामजद करते हुए अज्ञात लोगों पर संगीन धाराओं में मुकदमा लिखा गया था। बताया कि बीती रात कुरारा क्षेत्र के अकौना गांव के जंगल में पुलिस टीम ने आरोपितों की घेराबंदी की तो पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दुर्गा निषाद नाम का आरोपित गोली लगने से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया कि इसके कब्जे से दरोगा की लूटी गई नौ एमएम की रिवाल्वर, नौ कारतूस व एक खोखा बरामद किया गया है।

सुलतानपुर में अनियंत्रित टैंकर ने 6 गाड़ियां रौंदी, खलासी की मौत,11 घायल

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में लखनऊ-वाराणसी हाइवे पर बेदूपारा के पास बुधवार रात एक अनियंत्रित टैंकर ने लगभग छह वाहनों को टक्कर मारी थी। इसमें 12 लोग घायल हुए थे। 12 घंटे बाद गुरुवार सुबह एक टैंकर खलासी का शव टैंकर के नीचे से बरामद किया गया। शव को निकालने के लिए जेसीबी की मदद से टैंकर को हटाया गया।

लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के बेदूपारा बाईपास के पास बुधवार शाम एक अनियंत्रित टैंकर ने पहले एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारी। टैंकर मोटरसाइकिल को लगभग 500 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया और फिर एक टेंपो से टकराया, जिसमें तीन से चार लोग सवार थे। इसके बाद, लगभग एक किलोमीटर आगे बेदूपारा शिव मंदिर के पास टैंकर ने एक स्कॉर्पियो डिजायर और दो अन्य मोटरसाइकिलों को टक्कर मारी। टक्कर मारने के बाद टैंकर सड़क किनारे अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटनास्थल पर तुरंत भीड़ जमा हो गई, और लोगों ने टैंकर चालक को पीटने का प्रयास किया, जो वाहन में फंसा हुआ था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

इस हादसे में कुल 12 लोग घायल

हुए। इनमें चांदा कोतवाली के कोथरा निवासी हीरामती (50), रवि (26), अरुण (21), सराय जुझार (चांदा) निवासी प्रतीक तिवारी (27) व अनुभव तिवारी (21), चांदा निवासी सुशील (28), वाराणसी के पतेर निवासी सुखराम (40), भेलूपुर, वाराणसी निवासी विपिन मौर्य (35), अरौला, प्रतापगढ़ निवासी रोशन सिंह (32), सौरभ (25) और चितावनपुर, चांदा निवासी अजय दुबे (35) शामिल हैं। सभी घायलों को राहगीरों की मदद से स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सुशील, विपिन मौर्य, रोशन सिंह, सौरभ, सुखराम और अरुण सहित छह लोगों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।

प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार राय ने बताया कि टैंकर चालक सीतापुर निवासी सुधीर (32) को हिरासत में ले लिया गया है।

सड़क हादसे में सब्जी विक्रेता की मौत

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत जिले के बिनोली थाना क्षेत्र में सड़क हादसे के दौरान एक सब्जी विक्रेता की मौत हो गयी। सब्जी विक्रेता पैदल बिनोली की ओर जा रहे थे जब पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनको टक्कर मार दी। उनको घायल अवस्था मे मेरठ अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया।

घटना बागपत के बिनौली रोड की है। बुधवार देर शाम बड़ौत-मेरठ मार्ग पर दादरी गांव के पास रात करीब 7 बजे सब्जी विक्रेता रामकुमार कश्यप (55) बिनोली की और पैदल जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, गंभीर रूप से घायल होने के बाद राहगीरों और परिवार (साले सुभाष, रामनिवास, अंकुल) की मदद से उनको मेरठ अस्पताल ले जाया गया, मेरठ ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ दिया।

अनिरुद्धाचार्य के बयान पर मथुरा सीजेएम कोर्ट ने दर्ज किया परिवाद, सुनवाई 1

मथुरा। महिलाओं की उम्र और शादी को लेकर दिए गए विवादित बयान के चलते कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज की कानूनी परेशानी बढ़ गई है। मथुरा के सीजेएम न्यायालय ने बुधवार उनके खिलाफ दाखिल याचिका पर परिवाद दर्ज करने के आदेश दिए हैं। अब इस मामले में न्यायालय स्वयं जांच कराएगा। बताया जा रहा है कि अनिरुद्धाचार्य महाराज ने करीब चार महीने पहले अपने एक प्रवचन में महिलाओं की शादी की उम्र को लेकर ऐसा बयान दिया था, जिससे महिलाओं की गरिमा आहत होने का आरोप लगा है।

आगरा की अखिल भारत हिंदू महासभा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने इस बयान को लेकर मथुरा सीजेएम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, उन्होंने कहा कि जुलाई 2025 में जब वह बांके बिहारी जी के दर्शन करने आई थीं, तभी उन्होंने अपने मोबाइल पर अनिरुद्धाचार्य महाराज का बयान सुना, जिसमें उन्होंने कहा था कि आजकल

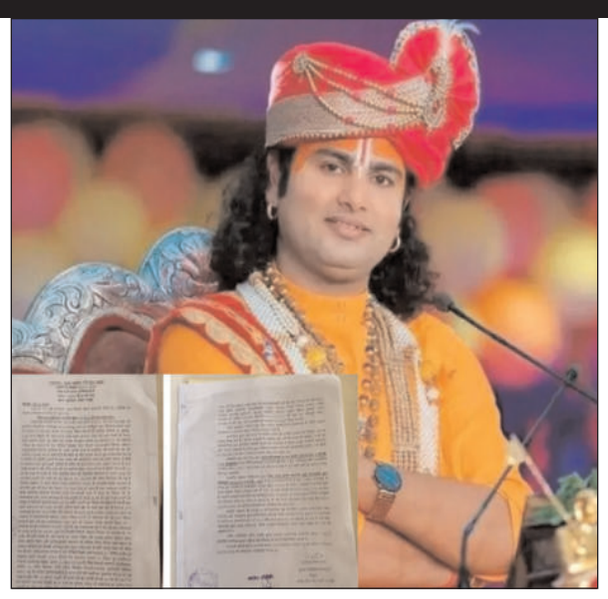

लड़कियों की शादी 25 वर्ष में होती है, तब तक वे चार जगह मुंह मार चुकी होती हैं। मीरा राठौर ने इसे महिलाओं का अपमान बताते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी।

शुरूआत में यह शिकायत थाना वृंदावन कोतवाली में भी दी गई थी, लेकिन पुलिस ने कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया।

इसके बाद शिकायतकर्ता ने सीधे अदालत का रुख किया। कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई की और आरोपों को प्रथमदृष्टया गंभीर मानते हुए कथावाचक के खिलाफ परिवाद दर्ज करने के निर्देश दिए। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 1 जनवरी 2026 के लिए तय की है। इस तारीख को याचिकाकर्ता के बयान दर्ज किए जाएंगे। परिवाद दर्ज होने के बाद अनिरुद्धाचार्य महाराज की कानूनी मुश्किलें बढ़ना तय माना जा रहा है। यह मामला अब सीधे अदालत की निगरानी में आगे बढ़ेगा, जिससे कथावाचक को आने वाले समय में बड़ी कानूनी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक ही मंच पर दिखेंगे 24 देशों के चालीस शिक्षक

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में 7 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ह्यद डिजिटल पेडागॉजी: एजुकेटर्स फॉर टुमॉरो आयोजित होने जा रहा है।

आई.यू.सी.टी.ई के मीडिया संयोजक डॉ. राज सिंह ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ह्यद डिजिटल पेडागॉजी: एजुकेटर्स फॉर टुमॉरो होने जा रहा है।

भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के ग्लोबल साउथ (साउथह्यसाउथ कोऑपरेशन) के इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन (आई.टी.ई.सी.) कार्यक्रम के तहत वाराणसी के काशी हिंदू विश्वविद्यालय में अन्तर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केन्द्र (आई.यू.सी.टी.ई.), में यह आयोजन होगा। यह कार्यक्रम 15-21 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा। यह सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 देशों के 40 शिक्षकों को एक मंच पर लेकर आएगा, जिनमें श्रीलंका, बेलारूस, कम्बोडिया, इक्वाडोर, घाना, कजाकिस्तान, केन्या, मोरक्को, मुझाम्बिक, म्यांमार, नामीबिया, नेपाल, रूस, रवांडा, तजाकिस्तान, तंजानिया, तुर्कमेनिस्तान, उजबेकिस्तान, और वियतनाम आदि देश शामिल हैं।

भेड़ चोरी से त्रस्त ग्रामीणों ने 11 चोर पकड़कर रातभर रखा बंधक

पुलिस को भी करना पड़ा विरोध का सामना

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में मड़िहान थाना क्षेत्र के सुखनई गांव में लगातार हो रही भेड़ चोरी की घटनाओं से परेशान ग्रामीणों ने मंगलवार की रात बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 चोरों को पकड़ लिया। ग्रामीणों ने इन्हें रातभर खुले आसमान के नीचे बंधक बनाए रखा। पकड़े गए चोरों के वाहनों से 6 भेड़ें भी बरामद की गईं। घटना देर रात तब सामने आई जब दो वाहनों से पहुंचे चोर घरों के बाहर बंधी भेड़ों को खोलकर ले जाने लगे। किसी ग्रामीण की नजर पड़ते ही शोर मच गया, जिसके बाद चोर भागने लगे। पीछा करने पर 5 चोर बाइक से फरार हो गए, जबकि 11 को ग्रामीणों ने लगभग 10 किलोमीटर तक दौड़ाकर आधी रात करीब 12:30 बजे पकड़ लिया।

क्षेत्र में पिछले 20 दिनों के भीतर 1000 से अधिक भेड़ों की चोरी हो चुकी है, जिससे पशुपालकों में गहरा आक्रोश था। इसी नाराजगी के चलते ग्रामीणों ने पकड़े गए चोरों को रातभर बंधक बनाए रखा। सुबह होते-होते दांती, कोटवा, सुखनई, कानी दरी, दाढ़ीराम, मालपुर, पंडरी, चांदलेवा और मड़िहान सहित कई गांवों के लोग मौके पर जुट गए, जिससे भीड़ लगातार बढ़ती गई।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और चोरों को हिरासत में लेने की कोशिश की, लेकिन भारी विरोध के चलते पहले प्रयास में सफल नहीं हो सकी। बाद में अतिरिक्त फोर्स बुलाने के बाद अधिकारियों ने ग्रामीणों से चर्चा कर चोरों को अपने कब्जे में लिया। दूसरी ओर ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे।

नेशनल हाइवे पर तेज रफ्तार ने ली युवक की जान, पुलिस जैकेट पहनने से पहचान को लेकर बनी भ्रम की स्थिति

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सदर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर अमरदीप ढाबे के पास बुधवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। अज्ञात वाहन की तेज रफ्तार टक्कर से युवक दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे जिला अस्पताल लाई, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान 23 वर्षीय विकास, पुत्र रामबाबू, निवासी हरिहरपुर, सिकंदरा (कानपुर देहात) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि विकास अपने मामा के घर शिकोहाबाद गया था और रात में बाइक से वापस लौट रहा था। इसी दौरान हाईवे पर अमरदीप ढाबे के पास तेज रफ्तार में आए अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि विकास मौके पर ही सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल लेकर गई, लेकिन उपचार से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि युवक की बाइक पर ह्यपुलिसह्न लिखा हुआ था और उसने पुलिस जैकेट भी पहन रखी थी, जिसके चलते शुरूआत में पहचान को लेकर भ्रम की स्थिति बनी। जांच में स्पष्ट हुआ कि युवक स्वयं पुलिसकर्मी नहीं था, बल्कि उसके रिश्तेदार पुलिस विभाग में कार्यरत हैं।

हादसे की खबर मिलते ही मृतक के घर कोहराम मच गया। परिजन बदहवास हालत में रोते-बिलखते अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश के लिए छानबीन तेज कर दी गई है।

मध्य प्रदेश से आ रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो ट्रैक्टर ट्राली से टकराई, तीन की मौत

सीएम योगी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना की व्यक्त

अयोध्या। उत्तर प्रदेश अयोध्या जिले में थाना पूराकलंदर के कल्याण भदरसा गांव के पास प्रयागराज हाईवे पर अयोध्या दर्शन के लिए आ रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो गाड़ी ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गयी और 11 श्रद्धालु घायल हो गए हैं। सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।घटना गुरुवार की भोर में लगभग 5 बजे के आसपास की है। सूचना मिलने पर मौके पर थाना पूराकलंदर की पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया और दोनों वाहनों को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। सभी श्रद्धालु मध्य प्रदेश के रीवा से अयोध्या रामलला का दर्शन करने आ रहे थे। हादसे की जानकारी होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने जनपद अयोध्या में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया है और मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए है। साथ ही मुख्यमंत्री ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए।

झिंगुरा सैन्य हवाई पट्टी पर बढ़ा अवैध कब्जा, अब शुरू होगी बड़े पैमाने पर कार्रवाई

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में झिंगुरा स्थित वर्षों से अनुपयोगी पड़ी सैन्य हवाई पट्टी एक बार फिर सुर्खियों में है। रक्षा संपदा कार्यालय ने यहां अवैध कब्जों को हटाने की तैयारी तेज कर दी है। हाल ही में किए गए सर्वे में चौंकाने वाली स्थिति सामने आई है। करीब 240 एकड़ में फैली इस हवाई पट्टी के लगभग 25 प्रतिशत हिस्से पर अवैध कब्जा हो चुका है।

सर्वे टीम ने पाया कि कई लोगों ने हवाई पट्टी की जमीन पर पक्के निर्माण कर लिए हैं, जबकि कुछ लोग यहां लंबे समय से खेती भी कर रहे हैं। स्थिति को देखते हुए रक्षा संपदा कार्यालय ने संबंधित कब्जेदारों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नोटिस का जवाब लेने व पक्ष सुनने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रक्षा संपदा अधिकारी एके मिश्र ने बताया कि गाजीपुर के बाद अब मीरजापुर की झिंगुरा हवाई पट्टी को खाली कराने की कवायद शुरू की गई है। उनका कहना है कि हवाई पट्टी को मुक्त कराकर जल्द ही सेना के सुपुर्द किया जाएगा।

स्थानीय प्रशासन ने पूर्व में भी अवैध कब्जे हटाने की कोशिश की थी, लेकिन लोगों के बढ़ते अतिक्रमण के कारण प्रयास नाकाम साबित हुए। अब रक्षा संपदा विभाग की सक्रियता के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि हवाई पट्टी को अतिक्रमणमुक्त किया जा सकेगा।

प्रधानमंत्री निषाद राज बोट योजना के तहत 112 लाभार्थियों को दी जाएगी सब्सिडी

प्रयागराज। प्रधानमंत्री निषाद राज बोट सब्सिडी योजना के तहत प्रयागराज के 112 लाभार्थियों को सब्सिडी दी जाएगी। यह जानकारी गुरुवार को मत्स्य विभाग प्रयागराज जिला प्रभारी अधिकारी विजय प्रकाश शुक्ला ने दी।

चावल, गेहूं नरम; चीनी स्थिर; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव टूट गये। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत पांच रुपये घटकर 3,853.85 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 11 रुपये सस्ता हुआ और 2,847.41 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत कमोबेश अपरिवर्तित रही। दाल-दलहनों में मूंग दाल 14 रुपये और मसूर दाल 11 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। तुअर दाल की कीमत 18 रुपये और उड़द दाल की आठ रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। चना दाल में टिकाव रहा। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा 11 रिंगिट चढ़कर 4,104 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.08 प्रतिशत गिरकर में 51.14 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सोया तेल औसतन आठ रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सरसों तेल की कीमत 99 रुपये और वनस्पति की 34 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। पाम ऑयल में 26 रुपये और मूंगफली तेल में 18 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सूरजमुखी तेल छह रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 13 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। वहीं, चीनी पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही टिकी रही।

रुपया 17 पैसे मजबूत

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया दो दिन की गिरावट से उबरते हुए 17.50 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.8750 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 9.75 पैसे टूटकर 90.05 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया आज 10 पैसे की गिरावट के साथ 90.15 रुपये प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन इसके बाद लगातार मजबूत हुआ। इसका उच्चतम स्तर 89.8450 रुपये प्रति डॉलर रहा।

सीमेंट कंपनियों का मुनाफा 2.5 प्रतिशत बढ़ने की संभावना: क्रिसिल

मुंबई। विक्रय मूल्य और लागत में स्थिरता के बीच चालू वित्त वर्ष में सीमेंट कंपनियों के मुनाफे में 2.50 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। बाजार अध्ययन एवं साख निर्धारक कंपनी क्रिसिल इंटेलीजेंस की जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में सीमेंट उत्पादन में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई थी जिसके चालू वित्त वर्ष में 6.5 से 6.75 प्रतिशत के बीच बढ़ने की उम्मीद है। खासकर, दूसरी तिमाही में अब तक उत्पादन आठ से नौ प्रतिशत बढ़ा है। इसमें पहली तिमाही की ठहरी हुई मांग और लोगों के पास नकदी की उपलब्धता का भी योगदान है। देश की 14 सीमेंट कंपनियों के बैलेंसशीट के अध्ययन के आधार पर तैयार रिपोर्ट में अनुमान व्यक्त किया गया है कि इस साल सीमेंट की 50 किलोग्राम की बोरी की औसत कीमत 354 से 359 रुपये के दायरे में रह सकती है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हालिया सुधारों में सीमेंट को 28 फीसदी के स्लैब से हटाकर 18 फीसदी में किया गया है। इससे खुदरा मूल्यों में गिरावट की गुंजाइश है। हालांकि मांग बढ़ने से उद्योग के लिए परिदृश्य सकारात्मक रहेगा। क्रिसिल इंटेलीजेंस के निदेशक सेहुल भट्ट ने कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में सीमेंट की औसत कीमत तीन प्रतिशत बढ़ी है। अनुमान है कि जीएसटी सुधारों का पूरा असर तीसरी तिमाही से दिखेगा। इसमें दूसरी छमाही में कीमतों में चार-पांच प्रतिशत की गिरावट आयेगी।

इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री नवंबर में 62 प्रतिशत बढ़ी, दुपहिया में गिरावट

नई दिल्ली। देश में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री में इस साल नवंबर में सालाना आधार पर 62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी जबकि दुपहिया में 2.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। यात्री वाहनों में कारों, उपयोगी वाहनों और कैब को शामिल किया जाता है। वाहन डीलरों के संगठन सियाम के जारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2024 में देश में कुल 9,174 इलेक्ट्रिक वाहन बिके थे। इस साल नवंबर में यह संख्या बढ़कर 14,850 इकाई पर पहुंच गयी। इस प्रकार इसमें 61.87 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसमें टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने 6,153 और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने 3,693 वाहन बेचे हैं। दुपहिया ई-वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 2.51 प्रतिशत घटकर 1,16,982 इकाई रह गयी। इसमें 30,347 इकाई के साथ टीवीएस मोटर पहले और 25,565 के साथ बजाज ऑटो दूसरे स्थान पर रही। तिपहिया ई-वाहनों की बिक्री में 31.99 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गयी और यह एक साल पहले के 63,400 से बढ़कर नवंबर 2025 में 83,683 पर पहुंच गया। इसमें 10,779 इकाई के साथ महिंद्रा समूह पहले और 8,765 इकाई के साथ बजाज ऑटो दूसरे स्थान पर रही। नवंबर में देश में कुल 1,698 ई-वाणिज्यिक वाहन बिके जो 203 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

तेलंगाना को 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने का लक्ष्य : मुख्यमंत्री रेड्डी

एजेंसी

हैदराबाद। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि तेलंगाना विकास में एक लंबी छलांग लगाएगा। उन्होंने कहा कि वे 2047 के लिए नए लक्ष्य तय करके आगे बढ़ रहे हैं। उनका मकसद तेलंगाना को तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाना है। फ्यूचर सिटी में आयोजित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य के भविष्य के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप पेश करते हुए कहा कि तेलंगाना भारत का सबसे उन्नत और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी राज्य बनने की राह पर है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए उद्योगपतियों और अर्थशास्त्रियों से सुझाव मांगे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में बहुत सारे मौके हैं। यहां अच्छा सकारात्मक माहौल भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने राज्य को 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर

की इकॉनमी में बदलने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में देश की लगभग 2.9 प्रतिशत आबादी रहती है। तेलंगाना देश की जीडीपी में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने भरोसा जताया कि उनका लक्ष्य 2047 तक भारत की जीडीपी में 10 प्रतिशत का योगदान देना है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को तीन हिस्सों में बांटा गया है। यानी सर्विस सेक्टर, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और एग्रीकल्चर सेक्टर। उन्होंने कहा कि इसके लिए कोर अर्बन रीजन इकॉनमी, पेरी अर्बन रीजन इकॉनमी और रूरल एग्रीकल्चर रीजन इकॉनमी मॉडल बनाए गए हैं।मुख्यमंत्री रेड्डी ने आगे कहा कि देश की आजादी के बाद हमारे नेताओं ने एक नया संविधान बनाकर भविष्य के लिए एक रोड मैप बनाया। वे तेलंगाना के भविष्य के लिए भी एक रोड मैप बनाना चाहते थे। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने महात्मा गांधी, डॉ. बीआर अंबेडकर से बहुत प्रेरणा ली है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों ने दशकों तक अलग राज्य के लिए लड़ाई लड़ी है। 2014 में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और उस समय के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में अलग तेलंगाना राज्य का सपना पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि तेलंगाना भारत में एक युवा राज्य के तौर पर उभरा है। अगले दस सालों में हम तेलंगाना को देश का सबसे विकसित राज्य और दुनिया का सबसे बेहतरीन और सभी निवेशकों के लिए, एक उपयुक्त निवेश गंतव्य की रूप में पेश करने का प्रयास जारी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि हम खुशकिस्मत हैं कि इस ग्लोबल समिट में सभी क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। उन्होंने उद्योगपति, कॉर्पोरेट दिग्गजों, नीतिनिर्धारकों, सरकारी अधिकारियों और अलग-अलग क्षेत्र के विशेषज्ञों को धन्यवाद दिया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट का आईपीओ 12 दिसंबर को खुलेगा

एजेंसी

अहमदाबाद। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के इक्विटी शेयरों का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 12 दिसंबर को खुलेगा और 16 दिसंबर को बंद होगा। कंपनी की ओर से यहाँ जारी बयान में कहा इसका प्राइस बैंड 2,061 से 2,165 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। फ्लोर प्राइस इक्विटी शेयर्स के फेस वैल्यू का 2,061 गुना और कैप प्राइस इक्विटी शेयर्स के फेस वैल्यू का 2,165 गुना है। यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल होगा। जिसमें प्रूडेंशियल कॉरपोरेशन अपनी हिस्सेदारी का 9.9 प्रतिशत हिस्सा बेच रही है। बिड/ऑफर 12 दिसंबर को खुलेगा और मंगलवार, 16 दिसंबर को बंद होगा। एंकर इन्वेस्टर बिडिंग तारीख 11 दिसंबर होगी। न्यूनतम बिड लॉट छह इक्विटी शेयर्स का है और उसके बाद छह इक्विटी शेयर्स के मल्टीपल में बिड की जा सकती है। यह ऑफर कंपनी के एक प्रमोटर, यानी प्रूडेंशियल कॉर्पोरेशन होल्डिंग्स लिमिटेड द्वारा ऑफर फॉर सेल के जरिए अधिकतम 48,972,994 इक्विटी शेयर्स तक का है। पूरा आईपीओ ऑफर फॉर सेल (ओपीएस) है। इस ओएफएस के तहत 4.89 करोड़ शेयर बेचे जाएंगे। ये सभी शेयर ब्रिटेन स्थित कंपनी प्रूडेंशियल कॉरपोरेशन होल्डिंग्स बेच रही है, जो आईसीआईसी आई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी की जॉइंट वेंचर पार्टनर भी है।

भारत बना एशिया की ग्रोथ का 'सुपरइंजन', ADB ने आर्थिक वृद्धि अनुमान बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियाई विकास बैंक (ADB) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में घोषणा की है कि भारत अब पूरे एशिया की ग्रोथ का 'सुपरइंजन' बन गया है। मजबूत इकोनॉमिक ग्रोथ आंकड़ों के दम पर, भारत और वियतनाम ने पहले के प्रमुख देश चीन और जापान की जगह ले ली है। भारत ने अपनी दूसरी तिमाही में 8 फीसदी से अधिक की असाधारण आर्थिक वृद्धि दर्ज की है, जो पूरे एशिया क्षेत्र में सबसे मजबूत आंकड़ों में से एक है। भारत की इस आर्थिक मजबूती को देखते हुए ADB ने पूरे एशिया के विकास अनुमान में महत्वपूर्ण वृद्धि की है। ADB के अनुसार, 2025 में एशिया की ग्रोथ रेट अब 5.1 फीसदी रहने का अनुमान है, जो सितंबर के शुरुआती अनुमान (4.8 फीसदी) से काफी ज्यादा है। बैंक ने व्यापार अनिश्चितता में कमी और AI तथा इलेक्ट्रॉनिक्स साइकिल में तेजी का हवाला देते हुए 2026 के ग्रोथ अनुमान को भी 4.5 फीसदी से

बढ़ाकर 4.6 फीसदी कर दिया है।

उप-क्षेत्रीय संभावनाओं में, खासकर दक्षिण एशिया में बड़ा सुधार देखा गया है। दक्षिण एशिया के लिए इस वर्ष 6.5 फीसदी की वृद्धि दर की उम्मीद है, जो पहले के 5.9 फीसदी के अनुमान से अधिक है। यह वृद्धि मुख्य रूप से भारत के मजबूत प्रदर्शन पर आधारित है। हालांकि, ADB ने चीन के प्रॉपर्टी सेक्टर में जारी कमजोरी को भविष्य के लिए महत्वपूर्ण जोखिम बताया है।

माइक्रोसॉफ्ट ने की भारत में 17.5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज अमेरिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने चार साल में भारत में 17.5 अरब डॉलर (लगभग 1,573 अरब रुपये) के निवेश की घोषणा की है जो एशिया में कंपनी का अब तक का सबसे बड़ा निवेश होगा।

कंपनी ने यह घोषणा यहां विभिन्न वैश्विक कंपनियों के प्रमुखों से यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात के बाद की। मुलाकात करने वालों में माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी सत्य नडेला भी थे। प्रधानमंत्री ने इस घोषणा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे देश के युवाओं को नवाचार का अवसर मिलेगा। श्री सत्य नडेला ने श्री मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'देश की आकांक्षा का समर्थन करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट 17.5 अरब डॉलर का निवेश करेगी। यह एशिया में हमारा अब तक का सबसे बड़ा निवेश होगा। ' कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह निवेश 2026 से 2029 के बीच

किया जायेगा। इससे पहले जनवरी 2025 में उसने भारत में पांच अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की थी।

कंपनी ने साल 2030 तक देश में दो करोड़ लोगों के कौशल विकास की प्रतिबद्धता जतायी है जो जनवरी की घोषणा के मुकाबले दो गुना है। उसने बताया कि उसका नया डाटा सेंटर अगले साल के मध्य तक ऑपरेशनल हो जायेगा। इसके अलावा वह ई-श्रम और नेशनल करियर सर्विस प्लेटफॉर्म से माइक्रोसॉफ्ट एआई को जोड़ेगी जिससे अनौपचारिक क्षेत्र में काम करने वाले 31 करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा। उसने यहां एक स्वदेशी सार्वजनिक क्लाउड और एक स्वदेशी निजी क्वाउड की भी घोषणा की है।

लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स 436 अंक लुढका

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पूर्व निवेशकों के मुनाफावसूली की वजह से लगातार दूसरे दिन घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 436.41 अंक यानी 0.51 फीसदी लुढककर 84,666.28 अंक पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 120.90 अंक यानी 0.47 फीसदी टूटकर 25,839.65 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 22 शेयर में गिरावट और 8 शेयरों में तेजी रही। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 719.73 अंक लुढ़ककर 84,382.96 पर आ गया था। बड़े निजी बैंकों, तेल और आईटी शेयरों में भी उल्लेखनीय गिरावट आई। कारोबार के दौरान एक समय यह 232.55 अंक गिरकर 25,728 के स्तर तक आ गया था। सेंसेक्स के

शेयरों में एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी इंडिया, सन फार्मास्युटिकल्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स में गिरावट हुई। हालांकि, इटर्नल, टाइटन, अदाणी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी और भारती एयरटेल के शेयर बढ़कर बंद हुए। इसके अलावा एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई कॉम्पोजिट और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए हैं, जबकि जापान का निक्की बढ़त में रहा। यूरोपीय बाजार मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड 0.27 फीसदी गिरकर 62.33 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक दिन पहले बीएसई का सेंसेक्स 609.68 अंक यानी 0.71 फीसदी लुढ़ककर 85,102.69 के स्तर पर बंद हुआ था। एनएसई का निफ्टी भी 225.90 अंक यानी 0.86 फीसदी फिसलकर 25,960.55 के स्तर पर बंद हुआ था।

धरती का ज्ञात सोने का भंडार 20 साल में होगा खत्म, अब तक 2.16 लाख टन सोना निकाला गया

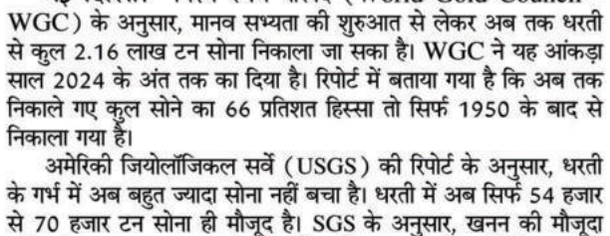

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व स्वर्ण परिषद (World Gold Council - WGC) के अनुसार, मानव सभ्यता की शुरुआत से लेकर अब तक धरती से कुल 2.16 लाख टन सोना निकाला जा सका है। WGC ने यह आंकड़ा साल 2024 के अंत तक का दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब तक निकाले गए कुल सोने का 66 प्रतिशत हिस्सा तो सिर्फ 1950 के बाद से निकाला गया है।

अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) की रिपोर्ट के अनुसार, धरती के गर्भ में अब बहुत ज्यादा सोना नहीं बचा है। धरती में अब सिर्फ 54 हजार से 70 हजार टन सोना ही मौजूद है। SGS के अनुसार, खनन की मौजूदा स्पीड (हर साल 3,000 टन) से आने वाले 20 साल में धरती से ज्ञात सोने का भंडार पूरी तरह खत्म हो सकता है। हालांकि, नई टेक्नोलॉजी से भविष्य में नई खदानें मिलने की उम्मीद है। सोने के भंडार की बात करें तो रूस और ऑस्ट्रेलिया के पास सबसे ज्यादा सोना है, दोनों के पास लगभग 12-12 हजार टन गोल्ड रिजर्व है। वहीं, निकाले गए कुल सोने का 45फीसदी हिस्सा गहनों में, 22फीसदी सिक्कों और बार बनाने में, और करीब 17फीसदी केंद्रीय बैंकों में सुरक्षित रखा गया है। चूंकि यह भंडार सीमित है, इसलिए इसकी कीमत और महत्व भविष्य में बढ़ने की संभावना है।

आईआईटी-आईएसएम धनबाद के शताब्दी वर्ष समारोह में अडाणी ने छात्रों से देश की चुनौतियों पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। आईआईटी-आईएसएम धनबाद के शताब्दी वर्ष समारोह में देश के जाने-माने उद्योगपति और अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी शामिल हुए। उन्होंने यहां आईआईटी-आईएसएम धनबाद के छात्रों के लिए पेड इंटर्नशिप और 3एस माइनिंग एक्सलेंस सेंटर की स्थापना की घोषणा की। अडाणी ने इस अवसर पर देश की चुनौतियों और उसके समाधान पर भी चर्चा की। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी जब शताब्दी समारोह में पहुंचे, तो पूरा ऑडिटोरियम जोश और गर्व से भर गया। हर चेहरा उत्साहित था, हर आंखों में भविष्य के सपनों की चमक थी। छात्रों की आंखों में चमक थी, मानो वे अपने सपनों को साकार होते देख रहे हों। शिक्षकों के चेहरे पर गर्व की मुस्कान थी, और अतिथि भी इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनने पर खुद को भाग्यशाली मान रहे थे। ऑडिटोरियम में तालियों की गूंज थी, मानो हर कोई इस विचार से सहमत हो कि भारत की असली ताकत उसकी मिट्टी में छुपी है। गौतम अडाणी ने अपने संबोधन की शुरुआत धनबाद की इस ज्ञानभूमि को प्रणाम करते हुए की। उन्होंने कहा कि अगर भारत को अपनी तक़दीर संवारनी है, तो उसे अपनी धरती की ताकत को समझना होगा। गौतम अदाणी ने बताया कि सौ साल पहले जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था, तब भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस संस्थान की स्थापना की सिफारिश की थी। उनका कहना था कि एक राष्ट्र तभी महान बनता है, जब वह अपनी धरती की भाषा सीख लेता है। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा सदियों पुरानी है और आईआईटी-आईएसएम धनबाद उसी परंपरा का आधुनिक रूप है। गौतम अडाणी ने छात्रों को याद दिलाया कि इतिहास को भूलना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि जो तुम बनोगे, वही हमारा भारत बनेगा। अदाणी ने दुनिया में चल रहे नैरेटिव कॉलोनाइजेशन की चर्चा की। उन्होंने कहा कि जो कहानी हम नहीं लिखेंगे, वो हमारे खिलाफ लिखी जाएगी। उन्होंने छात्रों को चुनौती दी कि वे ऐसे मॉडल बनाएं जो भारत की ऊर्जा गरिमा को सही मायनों में दर्शाएं। गौतम अडाणी ने इस मौके पर नए भारत की तस्वीर खींची। उन्होंने इसके लिए ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े डाटा के श्रोताओं के सामने रखा। उन्होंने समझाने की कोशिश की कि कैसे भारत पर्यावरण को प्रति सजग होकर दुनिया के विकसित देशों से कम प्रदूषण पैदा कर रहा है। उन्होंने बताया कि भारत ने 50 फीसदी से ज्यादा बिजली गैर-फॉसिल स्रोतों से हासिल कर ली है और यह लक्ष्य तय समय से पहले पूरा हुआ। उन्होंने अपने ऑस्ट्रेलिया के कारमाइकल प्रोजेक्ट और गुजरात के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े अक्षय ऊर्जा पार्क की चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोग भले ही माइनिंग को पुरानी अर्थव्यवस्था कहें, लेकिन बिना इसके नई अर्थव्यवस्था संभव नहीं।

आरबीआई गवर्नर ने बैंकों से कहा, रेपो दर में कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएं

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों से रेपो दरों में की गयी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सार्वजनिक बैंकों और चुनिंदा निजी बैंकों के प्रबंध निदेशकों एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ यहां एक बैठक की। इसमें आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे., डॉ. पूनम गुप्ता और एस.सी. मुर्मू तथा कई अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

श्री मल्होत्रा ने बैंकों से कहा कि रिजर्व बैंक ने इस कैलेंडर वर्ष में अब तक चार बार में रेपो दर में 1.25 प्रतिशत की कटौती की है। इसके साथ प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का परिणाम ऋण की लागत में कमी

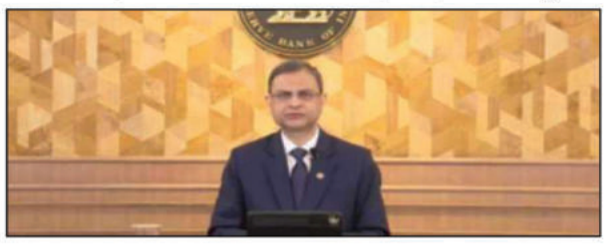

के रूप में सामने आना चाहिये और दक्षता बढ़नी चाहिये ताकि वित्तीय समावेशन बढ़ सके। बैंकिंग सेक्टर की मजबूती का जिक्र करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि उन्हें आत्मतुष्टि का शिकार नहीं होना चाहिये और सतत गतिशील माहौल में हमेशा सतर्क रहना चाहिये।

उन्होंने ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में सुधार करने और उनकी शिकायतों के समाधान में तत्परता की जरूरत पर जोर दिया। डिजिटल धोखाधड़ी को बढ़ते जोखिम को रेखांकित करते हुए उन्होंने इंटेलिजेंस पर आधारित सुरक्षा उपायों पर जोर दिया।

स्पाइसजेट के बेड़े में शामिल हुए दो और बोइंग 737

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के उड्डयन क्षेत्र में जारी संकट के बीच किफायती विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट के बेड़े में दो और बोइंग 737 विमान शामिल हो गये हैं। स्पाइसजेट ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दोनों विमान 26 और 29 नवंबर से वाणिज्यिक

उड़ान भरनी शुरू कर चुके हैं। इनका उपयोग दिल्ली-बैंकॉक, अहमदाबाद-दुबई और अहमदाबाद-कोलकाता मार्गों पर किया जा रहा है। पीक मांग वाले समय में दो विमानों का बेड़े में शामिल होना कंपनी के लिए काफी लाभदायक है। स्पाइसजेट के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी देबोजो महर्षि ने इसे चरणबद्ध तरीके से क्षमता विस्तार की तरफ एक और कदम बताया। उन्होंने उम्मीद जतायी कि इससे परिचालन को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने कौशल विकास और वर्कफोर्स मोबिलिटी पर साझेदारी मजबूत करने पर सहमति जताई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने कौशल विकास, कार्यबल गतिशीलता और खेल अर्थव्यवस्था में सहयोग को नई दिशा देने पर जोर देते हुए जताते हुए कौशल मानकों के सामंजस्य और पेशेवरों की आवाजाही को आसान बनाने पर सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों ने योग्यताओं की मान्यता, उन्नत निर्माण क्षेत्र में ग्लोबल स्टैंडर्ड तैयार करने और खेल आधारित उद्योग में उभरते अवसरों को साझा रूप से विकसित करने पर बुई चर्चा की। राजधानी दिल्ली में आयोजित तीसरी ऑस्ट्रेलिया-इंडिया एजुकेशन एंड स्किल्स काउंसिल की बैठक में कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी और ऑस्ट्रेलिया के कौशल एवं ट्रेनिंग मंत्री एंड्रयू जाइल्स की मौजूदगी में कौशल विकास, वर्कफोर्स मोबिलिटी, खेल अर्थव्यवस्था और भविष्य उन्मुख तकनीकी कौशलों पर विस्तृत बातचीत हुई। चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों में आई प्रगति को रेखांकित किया और इस गति को कौशल आधारित पेशों की सुगम आवाजाही में बदलने की जरूरत पर बल दिया। योग्यताओं की पारस्परिक मान्यता को लागू करने करने को प्राथमिकता दी गई, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में आगामी खेल

और कौशलों के अनुरूप ब्रिज कोर्स संयुक्त रूप से तैयार करने पर सहमति बनी। उन्नत निर्माण क्षेत्र में मांग को देखते हुए वैश्विक मानकों के अनुरूप कुशल कार्यबल तैयार आयोजनों के कारण निर्माण गतिविधि तेजी से बढ़ रही है। भारत की 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स बोली और ऑस्ट्रेलिया में 2032 ब्रिस्बेन ओलंपिक व पैरालंपिक की तैयारियों से पैदा हो रहे अवसरों पर भी विस्तार से विचार हुआ। दोनों देशों ने माना कि खेल और शारीरिक कल्याण आधारित उद्योग एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जो भारत की जीडीपी में लगभग 2 प्रतिशत तक योगदान देने की क्षमता रखता है। भारत के खेल निर्माण और गिग इकॉनमी क्षेत्र को ऑस्ट्रेलिया की खेल प्रबंधन और तकनीकी विशेषज्ञता का स्वाभाविक पूरक बताया गया। भारत के आईटीआई, राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान और ऑस्ट्रेलिया के टीईएफई नेटवर्क के बीच सहयोग बढ़ाने का प्रस्ताव भी रखा गया। खनन, डिजिटल और आईटी, हॉस्पिटैलिटी, हरित रोजगार, नवीकरणीय ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स जैसे कई क्षेत्रों में संयुक्त कार्य की रूपरेखा पर सहमति बनी। जयंत चौधरी ने बैठक में कहा कि भारत भविष्य उन्मुख कौशलों के विकास के लिये प्रतिबद्ध है और स्किलिंग फॉर एआई रेडीनेस पहल इसी सोच का हिस्सा है। उन्होंने डिजिटल तकनीकों के नैतिक उपयोग और उच्च गुणवत्ता वाली वर्कफोर्स मोबिलिटी की आवश्यकता पर जोर दिया। चौधरी ने भारत और ऑस्ट्रेलिया में बारी-बारी से एक वार्षिक कौशल सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव भी दिया, जिससे दोनों देशों के कौशल मानक और प्रशिक्षण ढांचे में सामंजस्य बढ़ सके।एंड्रयू जाइल्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया भारत को अपनी सबसे महत्वपूर्ण साझेदारियों में से एक मानता है। वैश्विक खेल आयोजनों और बदलते आर्थिक अवसरों के बीच कौशल सहयोग दोनों देशों के साझा विकास में अहम भूमिका निभाएगा। बैठक में कौशल विकास मंत्रालय, डीजीटी, एनसीवीईटी, एनएसडीसी और ऑस्ट्रेलिया के शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सत्र का समापन इस सहमति के साथ हुआ कि दोनों देश कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता, वैश्विक मोबिलिटी और भविष्य के लिये तैयार कार्यबल निर्माण में तेज गति से सहयोग जारी रखेंगे।

द हंड्रेड में नजर आएंगे दिनेश कार्तिक, लंदन स्पिरिट ने दी बड़ी जिम्मेदारी

एजेंसी

लंदन : भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक, जो मौजूदा IPL चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के मेंटर भी हैं, को द हंड्रेड फ्रेंचाइजी लंदन स्पिरिट का मेंटर और बैटिंग कोच बनाया गया है। द हंड्रेड के लिए किसी फ्रेंचाइजी में अपनी पहली भूमिका में कार्तिक की विशेषज्ञता इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में एक खिलाड़ी और कोच दोनों के रूप में 250 से ज़्यादा मैचों में भाग लेने और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले 180 इंटरनेशनल मैचों से आती है। लंदन स्पिरिट के क्रिकेट डायरेक्टर मो बोबट ने एक बयान में कहा, 'लंदन स्पिरिट में छठ्य का स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। वह हमारे खेल में सचमुच एक अलग सोच रखने वाले व्यक्ति हैं और शॉर्ट-फॉर्मेट और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारे लिए बहुत कीमती होगा। उनके साथ काम करना भी बहुत मजेदार है और वह जो कुछ भी करते हैं उसमें एक जबरदस्त एनर्जी और उत्साह लाते हैं।' बोबट ने कहा, 'खेल में अहमियत रखने वाले एक और एलीट इंसान को साइन करना हमारे एम्बिशन और इस बात को दिखाता है कि हम अपने प्लेयर्स को सबसे अच्छा सपोर्ट देने को कितना महत्व देते हैं।'

पावरप्ले में भारतीय गेंदबाजों का दबदबा, अर्शदीप सिंह बड़े खिलाड़ी की बराबरी कर नम्बर 1 पर आए

नई दिल्ली। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पावरप्ले ओवर्स (1-6 ओवर) हमेशा से बल्लेबाजों का पसंदीदा समय माना जाता है, लेकिन भारत के तेज़ और स्पिन गेंदबाजों ने इस अवधि में लगातार विकेट लेकर अपनी अलग पहचान बनाई है। हाल ही के आंकड़ों के मुताबिक, पावरप्ले में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज़ों की लिस्ट में अर्शदीप सिंह और भुवनेश्वर कुमार संयुक्त रूप से टॉप पर हैं। दोनों के नाम 47-47 विकेट दर्ज हैं। उनके पीछे जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे गेंदबाज़ शामिल हैं, जिन्होंने शुरुआती ओवरों में मैच का रुख पलटने में अहम भूमिका निभाई है। अर्शदीप ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मैच में भूवनेश्वर कुमार की बराबरी की है। भारत के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने टी20आई में पावरप्ले ओवर्स में सबसे ज़्यादा 47 विकेट लेकर बड़ा मुकाम हासिल किया है। क्रिकेट जगत में अर्शदीप अपनी स्विंग, पेस वेरिएशन और शुरुआती ओवरों में घातक लाइन-लेंथ के लिए जाने जाते हैं। आईपीएल में अपनी पहचान बनाने वाले अर्शदीप ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी साबित कर दिया है कि वह भारत के लिए लंबे समय तक पावरप्ले स्पेशलिस्ट बन सकते हैं। उनके शुरुआती ओवरों में विकेट लेने की क्षमता भारत को मजबूत शुरुआत देती है और विपक्षी टीम पर दबाव डालती है।

बल्लेबाजी में फेल, लेकिन कप्तानी में चमक बिखेर रहे सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 101 रन से बड़ी जीत दर्ज की। लेकिन कप्तान बनने के बाद से ही सूर्यकुमार का बल्ला उस तरह नहीं चल रहा जैसे कि पहले चलता था। उन्होंने पहले टी20 मैच में 11 गेंदों में मात्र 12 रन बनाए जबकि 2025 की बात करें तो उन्होंने 15.6 की औसत से मात्र 196 रन ही बनाए हैं। हालांकि अगर उनकी कप्तानी की बात की जाए तो सारा खेल ही पलट जाता है क्योंकि उनकी कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया जैसी ताकतवर टीम को भी 2 बार हराया है। आइए उनके आंकड़ों पर नजर डालते हैं-

टी20आई में कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार यादव :

ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया
साउथ अफ्रीका से 1-1 से ड्रॉ खेला
श्रीलंका को 3-0 से हराया
बांग्लादेश को 3-0 से हराया
साउथ अफ्रीका को 3-1 से हराया
इंग्लैंड को 4-1 से हराया
एशिया कप जीता
ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया
साउथ अफ्रीका से 1-0 से आगे*

संजू से प्रतिस्पर्धा पर जितेश ने दिया बड़ा बयान, इस भारतीय टीम में बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं

कटक : टी20 विश्व कप शुरू होने में अब जबकि दो महीने से भी कम समय बचा है तब खेल के इस छोटे प्रारूप में जितेश शर्मा विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में भारत की पहली पसंद के रूप में उभरे हैं लेकिन उन्होंने संजू सैमसन के साथ किसी तरह की प्रतिस्पर्धा को खास तवज्जो नहीं दी और कहा कि इससे वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में संजू के बजाय जितेश को अंतिम एकादश में रखा। उन्होंने विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन करके भारत की 101 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। जितेश ने मैच के बाद कहा, 'वह (संजू) बेहतरीन खिलाड़ी है। अगर आपको उसके खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी है और कंधे से कंधा मिलाकर चलना है तो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। म

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे एशेज के लिए टीम की घोषणा की, हुआ महत्वपूर्ण बदलाव

एजेंसी

एडिलेड : कप्तान पैट कमिंस को इंग्लैंड के खिलाफ अगले सप्ताह होने वाले तीसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है जो टीम में एकमात्र महत्वपूर्ण बदलाव है। एडिलेड ओवल में 17 दिसंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं ने बुधवार को टीम की घोषणा की।

इस मैच में कमिंस और नाथन लियोन के अंतिम एकादश में लौटने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया 5 टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 2-0 से आगे है और एशेज को अपने पास बरकरार रखने के लिए उसे एडिलेड ओवल में सिर्फ ड्रॉ की जरूरत है। कमिंस ने जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की 3-0 से जीत के बाद से कोई मैच नहीं खेला है।

पीठ में दर्द के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा और वह इंग्लैंड के खिलाफ एशेज के शुरुआती मैचों में भी नहीं

खेल पाए। गाबा में ऑस्ट्रेलिया की 8 विकेट से जीत में लियोन को टीम से बाहर रखा जाना एक चौंकाने वाला फैसला था। टीम प्रबंधन ने हालांकि पुष्टि की है कि वह एडिलेड में टीम में वापसी करेंगे। दूसरा सवाल उस्मान ख्वाजा को लेकर है। इस 38 वर्षीय सलामी बल्लेबाज को भरोसा है कि वह मैच से पहले पीठ की चोट से उबर जाएंगे, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या वह बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर अपनी जगह वापस हासिल कर पाएंगे या नहीं। ख्वाजा के चोटिल हो जाने के बाद ट्रैविस हेड ने पर्थ में पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में शानदार शतक जमाया था। उन्होंने इसके बाद ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में जेक वेदरल्ड के साथ पारी की शुरुआत करते हुए 33 और 22 रन बनाए।

तीसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम :

पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर। सीरीज के सबसे सफल गेंदबाज हैं, फिट हैं। हालांकि ब्रिसबेन टेस्ट के दौरान उन्हें बाईं ओर थोड़ी परेशानी थी, लेकिन कोच ने स्पष्ट किया कि वह एडिलेड टेस्ट के लिए पूरी तरह उपलब्ध रहेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन अंतिम तीन टेस्ट में तेज गेंदबाजों के वर्कलोड को लेकर सतर्क है। एडिलेड से मेलबर्न और फिर सिडनी के बीच चार-चार दिन के छोटे अंतराल को देखते हुए कुछ गेंदबाजों को आराम दिया जा सकता है। इस कारण माइकल नेसर, स्कॉट बोलैंड और ब्रेंडन डोगेट में से दो खिलाड़ी एडिलेड टेस्ट से बाहर हो सकते हैं, जिससे आगे के मुकाबलों के लिए आक्रमण को तरोताजा रखा जा सके।

टी-20 मैच : पर्यटकों के लिए बुधवार से बंद रहेगा धर्मशाला स्टेडियम

एजेंसी

धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला बुधवार से पर्यटकों के लिए आगामी आदेशों तक अभी बंद रहेगा। इसके चलते कोई भी व्यक्ति और पर्यटक स्टेडियम में एंट्री नहीं कर सकता है। एच.पी.सी.ए. के महासचिव अवनीश परमार ने बताया कि 14 दिसम्बर को होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका टी-20 मैच की मैच की सुचारू तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्थाओं को देखते हुए प्रबंधन द्वारा यह फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम को देखने बड़ी संख्या में पर्यटक और अन्य लोग यहां पंहुचते हैं जिससे एसोसिएशन को कमाई भी होती है। स्टेडियम की सुंदरता और यहां से दिखने वाली धौलाधार की पर्वत श्रृंखलाओं का एक अलग ही नजारा दिखता है।

मार्क वुड घुटने की चोट के चलते एशेज से बाहर, मैथ्यू फिशर टीम में शामिल

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड की एशेज 2025 में उम्मीदों को एक और करारा झटका लगा है। तेज गेंदबाज मार्क वुड बाएं घुटने की चोट के कारण पूरी एशेज सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। 35 वर्षीय वुड को यह समस्या पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लैंड की आठ विकेट से हार के दौरान हुई थी। यह वही चोट है, जिसने उन्हें इस साल लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रखा था।

वुड ब्रिस्बेन के गाबा में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी नहीं खेल पाए थे और अब 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होने वाले आखिरी तीन टेस्ट में भी वह टीम का हिस्सा नहीं होंगे। फरवरी में घुटने की सर्जरी के बाद पर्थ टेस्ट उनके लिए पहला प्रतिस्पर्धी मैच था, लेकिन चोट की वापसी ने इंग्लैंड के लिए मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उम्र और लगातार चोटों के चलते अब उनके लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। मार्क वुड इस हफ्ते के अंत में इंग्लैंड लौटेंगे, जहां ईसीबी की मेडिकल टीम की निगरानी में उनका रिहैबिलिटेशन

शुरू होगा। वुड की जगह इंग्लैंड ने सरे के तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर को टीम में शामिल किया है। 28 वर्षीय फिशर इस समय इंग्लैंड लायंस टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। उन्होंने इस दौरे पर खेले गए तीन मैचों में दो विकेट लिए हैं, जिसमें लिलैक हिल में खेले गए वॉर्म-अप मैच में जैक क्रॉली का विकेट भी शामिल है। हाल ही में ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ लायंस की पारी की हार वाले मैच में फिशर ने 31 ओवर में 105 रन देकर कोई विकेट नहीं लिया। फिशर ने अब तक सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला है, जो उन्होंने 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। उस मैच में उन्होंने एंटीगा में मैच में कुल 1/21 के आंकड़े दर्ज किए थे। मार्क वुड के बाहर होने से इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी यूनिट और कमजोर हो गई है, जो पहले से ही एशेज में चुनौतीपूर्ण हालात का सामना कर रही है।

विधायक किशोरी लाल ने किया इंटर-कॉलेज महिला खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ

एजेंसी

धर्मशाला। पंडित संत राम राजकीय महाविद्यालय बैजनाथ में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय इंटर-कॉलेज महिला खो-खो प्रतियोगिता 2025 का शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस उद्घाटन समारोह में विधायक किशोरी लाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया।

प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय बैजनाथ, हमीरपुर, ऊना, थुरल, रामपुर, जयसिंहपुर, ददाहू, खड्ड, घुमारवीं, बिलासपुर, मुल्थान तथा आर के एम वी शिमला सहित कुल 12 टीमों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि खो-खो जैसे भारतीय पारंपरिक खेल हमारी सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न अंग हैं और युवाओं में एकाग्रता, टीम भावना तथा मानसिक मजबूती को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि बेटियों की खेलों में बढ़ती भागीदारी प्रदेश के लिए गौरव का विषय है और सरकार द्वारा महिला खिलाड़ियों को हर स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। विधायक ने सभी टीमों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जीत-हार खेल का हिस्सा है लेकिन सही मायनों में खेल भावना और अनुशासन ही खिलाड़ी को महान बनाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे उत्साह, समर्पण और सकारात्मक ऊर्जा के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया।

फॉर्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप का फाइनल चेन्नई के मद्रास इंटरनेशनल सर्किट में

एजेंसी

चेन्नई। एफआईए से मान्यता प्राप्त फॉर्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप अपने सीजन के निर्णायक फाइनल के लिए पूरी तरह तैयार है। चार राउंड के बाद अब खिताब की जंग अंतिम वीकेंड तक पहुंच गई है, जहां 13-14 दिसंबर को चेन्नई के मद्रास इंटरनेशनल सर्किट में नए चैंपियन का ताज पहनाया जाएगा।

सीजन के दौरान शानदार निरंतरता दिखाने वाले 15 वर्षीय केन्याई ड्राइवर शेन चांडारिया (चेन्नई टर्बो राइडर्स) 158 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में सबसे आगे हैं। इस सीजन उन्होंने रफ्तार और बेहतरीन रेस क्राफ्ट का संतुलन दिखाया है। तीन रेस जीत, जिसमें पिछले महीने करी में मिली अहम जीत भी शामिल है, ने उन्हें मजबूत स्थिति में पहुंचाया है। हालांकि, अंक अंतर कम होने के कारण खिताब की तस्वीर अभी पूरी तरह साफ नहीं है। उनके ठीक पीछे फ्रांस के सैशेल रोटगे (किच्चा'स किंग्स बेंगलुरु) 134 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चेन्नई ट्रैक पर उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है, जहां राउंड-2 में उन्होंने दो जीत दर्ज की

थीं। इसके अलावा कोयंबटूर में मिली एक और जीत ने उन्हें फाइनल से पहले आत्मविश्वास से भर दिया है। तीसरे स्थान पर भारतीय युवा ड्राइवर ईशान मडेश (कोलकाता रॉयल टाइगर्स) 127 अंकों के साथ खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। उन्होंने भी इस सीजन चेन्नई में एक रेस जीती है और यह साबित किया है कि वे शेन और सैशेल दोनों को कड़ी चुनौती दे सकते हैं। तीनों ड्राइवरों के बीच अंक अंतर बहुत कम होने से चैंपियनशिप पूरी तरह खुली हुई है। मिडफील्ड की लड़ाई भी इस सीजन का बड़ा आकर्षण रही है। साई शिवा शंकरन (स्पीड डेमन्स दिल्ली), ग़ाज़ी मोटलेकर (कोलकाता रॉयल टाइगर्स) और लुवीवे संबुडला (गोवा एसेज़ जेए रेसिंग) जैसे ड्राइवरों ने लगातार पोडियम के लिए जोरदार संघर्ष किया। उनकी पहिया से पहिया लड़ाई ने हर राउंड में दर्शकों को बांधे रखा।

मद्रास इंटरनेशनल सर्किट ड्राइवरों की सटीकता और धैर्य की कड़ी परीक्षा लेता है। इसके तेज़ कॉर्नर और चुनौतीपूर्ण ब्रेकिंग ज़ोन साफ-सुथरी ड्राइविंग का इनाम देते हैं, जबकि छोटी-सी गलती भी भारी पड़ सकती है। खिताब दांव पर होने के कारण चेन्नई में हर लैप बेहद अहम होगा। जैसे ही सीजन अपने आखिरी सिग्नल की ओर बढ़ रहा है, फैंस को एक बेहद रोमांचक और दबाव से भरा वीकेंड देखने को मिलेगा। पूरे साल अनिश्चित और रोमांचक रही यह चैंपियनशिप अब अपने अंतिम चरण में है, जहां भारत को मिलने वाला अगला फॉर्मूला 4 चैंपियन तय होगा।

जिला क्रिकेट लीग अंडर 16 में डीसीए की शानदार जीत

एजेंसी

अररिया। स्थानीय नेताजी सुभाष स्टेडियम में खेले जा रहे कॉन्सम ट्राफी जिला क्रिकेट लीग अंडर-16 मुकाबले में डीसीए ने एफसीए को 8 विकेट से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर डीसीए ने पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया, जो पूरी तरह सही साबित हुआ। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए एफसीए की टीम 20 ओवर में 95 रन ही बना सकी। टीम की ओर से कृष्ण आर्यन ने सर्वाधिक 15 रन बनाए, जबकि शुभम बिराजी ने 14 रन का योगदान दिया। डीसीए की ओर से गेंदबाज़ी में शानदार प्रदर्शन करते हुए यक्षेंद्र ने कसी हुई गेंदबाज़ी की और 3 विकेट लिए,जबकि हसन रजा ने 2 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए डीसीए की टीम मात्र 8 विकेट शेष रहते हुए आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। बल्लेबाज़ी में राहुल सिद्धार्थ ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 37 रन, जबकि शादमान ने 24 रन की उपयोगी पारी खेली और टीम को जीत दिलाई। अपने हरफनमौला प्रदर्शन के लिए शादमान को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच में अंपायर की भूमिका में अनामी शंकर और अशोक मिश्रा रहे।जबकि स्कोरर पंकज थे। मौके पर संघ के सचिव राजेंद्र प्रसाद यादव, ओम प्रकाश जायसवाल, आनंद मोहन सिन्हा, उज्ज्वल, सरवन,अमित सेनगुप्ता एवं ग्राउंड्स मैन राजेश कुमार मौजूद रहे।

तिलक वर्मा ने टी20आई में सिर्फ 34 इनिंग्स में पूरे किए 1000 रन, टॉप 5 में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के उभरते हुए युवा स्टार तिलक वर्मा ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में उन्होंने 1000 टी20आई रन पूरे कर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस मैच से पहले वह इस मुकाम से केवल 4 रन दूर थे और जैसे ही उन्होंने जरूरी रन बनाए, वह इस खास क्लब का हिस्सा बन गए। बेहद कम समय में और दबाव भरी परिस्थितियों में यह उपलब्धि हासिल करना उनके तेजी से उभरते करियर और निरंतर प्रदर्शन का प्रमाण है। अब वह सबसे कम इनिंग्स में 1000 टी20आई रन पूरे करने वाले टॉप 5 खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद युवा चेहरों में से एक तिलक वर्मा ने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर में एक और कमाल कर दिखाया है। कटक के बाराबाती स्टेडियम में खेले जा रहे सीरीज के पहले मैच में उन्होंने अपने 1000 टी20आई रन पूरे कर लिए। यह उपलब्धि उनके करियर की तेजी और निरंतरता को दर्शाती है। इस मुकाम तक पहुंचकर वह उन चुनिंदा भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टी20आई फॉर्मेट में 1000 या उससे अधिक रन बनाए हैं।

सिर्फ 34 पारियों में बड़ी उपलब्धि

तिलक वर्मा ने यह रिकॉर्ड सिर्फ 34 पारियों में हासिल किया है, जो उनकी क्लास और खेल को समझने की अद्भुत क्षमता को दर्शाता है। इतनी कम पारियों में यह मुकाम हासिल करना आसान नहीं, लेकिन तिलक ने लगातार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ वे टी20आई में 1000+ रन बनाने वाले 13वें भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

टी20आई में सबसे कम इनिंग्स में 1000 रन पूरे करने वाले टॉप 5 भारतीय खिलाड़ी

विराट कोहली - 29 मैच - 28 इनिंग्स
अभिषेक शर्मा - 29 मैच - 29 इनिंग्स
केएल राहुल - 32 मैच - 29 इनिंग्स
सूर्यकुमार यादव - 33 मैच - 31 इनिंग्स
तिलक वर्मा - 37 मैच - 34 इनिंग्स

दबाव भरी परिस्थितियों में उभरा उनका दम

तिलक वर्मा की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि उन्होंने अक्सर मुश्किल हालात में टीम के लिए महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। चाहे टीम शुरुआती झटकों से उबर रही हो या तेज रन गति की जरूरत हो– तिलक ने लगभग हर परिस्थिति में खुद को साबित किया है। उनकी बल्लेबाजी में मैच का हाल समझने और परिस्थितियों के अनुसार खेल बदलने की क्षमता देखने को मिलती है, जो उन्हें टीम इंडिया के लिए बेहद मूल्यवान खिलाड़ी बनाती है। 23 साल के तिलक वर्मा को 2026 टी20 वर्ल्ड कप, जो भारत में होने वाला है, के लिए टीम की दीर्घकालिक योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

संजू से प्रतिस्पर्धा पर जितेश ने दिया बड़ा बयान, इस भारतीय टीम में बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं

एजेंसी

कटक : टी20 विश्व कप शुरू होने में अब जबकि दो महीने से भी कम समय बचा है तब खेल के इस छोटे प्रारूप में जितेश शर्मा विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में भारत की पहली पसंद के रूप में उभरे हैं लेकिन उन्होंने संजू सैमसन के साथ किसी तरह की प्रतिस्पर्धा को खास तवज्जो नहीं दी और कहा कि इससे वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते हैं। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में संजू के बजाय जितेश को अंतिम एकादश में रखा। उन्होंने विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन करके भारत की 101 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। जितेश ने मैच के बाद कहा, 'वह (संजू) बेहतरीन खिलाड़ी है। अगर आपको उसके खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी है और कंधे से कंधा मिलाकर चलना है तो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मुझे लगता है कि हम किसी अन्य टीम के लिए नहीं बल्कि भारत की तरफ से खेलने के लिए प्रयास कर रहे हैं।' संजू ने पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीन शतकों की मदद से 436 रन बनाए थे। उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ एक मजबूत सलामी जोड़ी बनाई थी लेकिन शुभमन गिल की टी20 टीम में वापसी के बाद संजू की टीम में जगह पक्की नहीं रही और अंतिम एकादश उनकी भूमिका अनिश्चित हो गई। जितेश ने व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा को कम महत्व दिया और कहा कि वह संजू के मार्गदर्शन में काफी कुछ सीख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि वह टीम में है और मैं उनके मार्गदर्शन में सीख रहा हूं। वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह हैं। मुझे लगता है कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से ही प्रतिभा निखरती है। यह टीम के लिए भी अच्छा है। इस भारतीय टीम में बहुत अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि संजू बाहर हैं और मैं खेल रहा हूं।' जितेश ने कहा, 'हम भाइयों की तरह हैं। हम एक-दूसरे के साथ अपने अनुभव साझा करते हैं। जब भी मैं विकेटकीपिंग या बल्लेबाजी करता हूं तो वह मेरी बहुत मदद करते हैं।' जितेश ने 2023 में एशियाई खेलों में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से फिनिशर की भूमिका अच्छी तरह से निभाई है और इसलिए उन्हें संजू पर प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मुझे ज्यादा आराम नहीं मिला। मैं एशिया कप में खेला था।

जसप्रीत बुमराह का ऐतिहासिक रिकॉर्ड, भारतीय क्रिकेट में पहली बार हुआ ऐसा कारनामा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में इतिहास रच दिया। जैसे ही बुमराह ने इस मैच में अपना पहला विकेट लिया, उन्होंने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ऐसा रिकॉर्ड बना दिया, जिसे आज तक कोई भारतीय गेंदबाज नहीं कर पाया था। बुमराह ने इस मैच में अपना पहला विकेट लेते ही टी20 इंटरनेशनल करियर के 100 विकेट पूरे कर लिए। इसके साथ ही वे भारत की ओर से टी20 में 100+ विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि अर्शदीप सिंह ने हासिल की थी। खास बात यह है कि बुमराह ने यह उपलब्धि सिर्फ 81 टी20 मैचों में पाई – यह उनकी निरंतरता, फिटनेस और घातक गेंदबाजी का बड़ा सबूत है।भारत के पहले गेंदबाज: तीनों फॉर्मेट में 100+ विकेट सिर्फ टी20 ही नहीं, बुमराह ने एक और अनोखा भारतीय रिकॉर्ड बनाया है: वे भारत के पहले ऐसे गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने तीनों इंटरनेशनल फॉर्मेट - टेस्ट, वनडे और टी20 – सभी में 100 या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं।

टेस्ट: 234 विकेट
वनडे: 149 विकेट
टी20आई: 101* विकेट

यह उपलब्धि दुनिया के बहुत कम गेंदबाजों ने हासिल की है और अब बुमराह भी इस खास क्लब में शामिल हो गए हैं।

आईपीएल 2026 ऑक्शन: वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई सबसे ऊंचे बेस प्राइस वाले भारतीय

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 ऑक्शन से ठीक एक हफ्ते पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शॉर्टलिस्ट किए गए खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है। 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाले टाटा आईपीएल 2026 ऑक्शन में कुल 350 खिलाड़ी बोली के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस ऑक्शन की सबसे खास बात यह है कि 2 करोड़ रुपये की सबसे ऊंची बेस प्राइस वाली कैटेगरी में शामिल भारतीय खिलाड़ियों में सिर्फ वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई को ही जगह मिली है। आईपीएल 2026 ऑक्शन के लिए कुल 1390 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिनमें से 350 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। इस फाइनल लिस्ट में 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें 112 खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि 224 अनकैप्ड भारतीय और 14 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी भी ऑक्शन का हिस्सा होंगे, जिससे युवा प्रतिभाओं को बड़ा मंच मिलने की उम्मीद है।

विदेशी खिलाड़ियों की मौजूदगी भी इस बार मजबूत नजर आ रही है। ऑक्शन में 9 देशों के क्रिकेटर शामिल होंगे, जिनमें इंग्लैंड से सबसे ज्यादा 21 खिलाड़ी, ऑस्ट्रेलिया से 19, न्यूजीलैंड से 16, साउथ अफ्रीका से 15, श्रीलंका से 12, वेस्टइंडीज से 9, अफगानिस्तान से 10, बांग्लादेश से 7 और आयरलैंड से 1 खिलाड़ी शामिल है। भारतीय ऑलराउंडर जलज सक्सेना 39 साल की उम्र में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे, जबकि अफगानिस्तान के वाहिदुल्लाह जदरान महज 18 साल से थोड़ी अधिक उम्र के साथ ऑक्शन में सबसे युवा खिलाड़ी हैं। इस बार 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस में कुल 40

खिलाड़ियों ने एंट्री ली है। इस कैटेगरी में कैमरन ग्रीन, स्टीव स्मिथ, डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक, वानिंदु हसरंगा, लियाम लिविंगस्टोन, मैथीशा पथिराना, एनरिक नॉर्खिया, जेसन होल्डर, डेरिल मिचेल, जॉश इंग्लिस, मुजीब उर रहमान और नवीन-उल-हक जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय सितारे शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ियों में केवल वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई ही इस हाईएस्ट बेस प्राइस स्लैब में हैं।

इसके अलावा 1.5 करोड़ रुपये और 1.25 करोड़ रुपये के बेस प्राइस में भी कई चर्चित नाम शामिल हैं, जिनमें रहमानुल्लाह गुरबाज, मैथ्यू शॉर्ट, झाय रिचर्डसन, फिन एलन, जॉनी बेयरस्टो, उमेश यादव, राहुल चाहर और चारिथ असलंका जैसे खिलाड़ी फ्रेंचाइजियों का ध्यान खींच सकते हैं। 75 लाख रुपये और उससे नीचे के बेस प्राइस में कई भारतीय युवा और अनुभवी खिलाड़ी भी मैदान में होंगे। इस सूची में सरफराज खान, पृथ्वी शॉ, दीपक हुड्डा, मयंक अग्रवाल, राहुल त्रिपाठी, नवदीप सैनी, चेतन साकरिया, कुलदीप सेन और दर्शन नालकंडे जैसे नाम शामिल हैं, जिन पर टीमों की खास नजर रहने वाली है। ऑक्शन में सभी 10 फ्रेंचाइजियां मिलकर कुल 77 खाली स्लॉट भरेंगी, जिनमें से 31 स्लॉट विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित हैं। सभी टीमों के पास मिलाकर 237.55 करोड़ रुपये की राशि खर्च करने के लिए उपलब्ध है। कोलकाता नाइट राइडर्स के पास सबसे बड़ा पर्स 64.3 करोड़ रुपये का है, जबकि मुंबई इंडियंस के पास केवल 2.75 करोड़ रुपये बचे हैं। कुल मिलाकर, टाटा आईपीएल 2026 ऑक्शन खिलाड़ियों और फ्रेंचाइजियों दोनों के लिए बेहद अहम साबित होने वाला है, जहां अनुभव, युवा जोश और बड़ी रणनीतियों के साथ एक बार फिर रोमांचक बोली देखने को मिलेगी।

विंटर में रहें ड्राई आई से एलर्ट

सर्दी का मौसम हर लिहाज से अच्छा माना जाता है, फिर चाहे वह स्वास्थ्य के लिहाज से हो या फिर फैशन के लिहाज से। जहां आप बिना डरे हर तरह का खाना खाने से खुद को रोक नहीं पाते, वहीं फैशन करने में भी यह मौसम आड़े नहीं आता, लेकिन कुछ ऐसी समस्याएं हैं, जो इस मौसम में परेशान कर सकती हैं और वह है आंखो में सूखेपन की समस्या यानी ड्राई आई की प्रॉब्लम। जी हां, ड्राई आई का मतलब वैसी आंख से है, जब आंख में स्थित आंसू ग्रंथियां पर्याप्त आंसू का निर्माण नहीं कर पाती। यह समस्या सर्दी के मौसम में ज्यादा होती है। यह बीमारी कनेक्टिव टिशू के डिसआर्डर होने से होती है। यह समस्या अधिक होने की स्थिति में आंख की सतह को नुकसान पहुंचा सकती है और जिसके परिणामस्वरूप अंधेपन की समस्या भी हो सकती है। इस समस्या से ग्रसित व्यक्ति में कई तरह के लक्षण दिखाई पड़ते हैं।

लक्षण

आंखों में सूखेपन जैसा महसूस होना, आंखों में खुजली एवं जलन का एहसास, हर वक्त आंखों को मलते रहना, ऐसा महसूस होना कि जैसे की आंखों में कंकड़ घुस गया हो, आंखों से बिना कारण पानी का निकलते रहना, बिना कारण आंखों का थक जाना या सूजन के फलस्वरूप सिकुड़कर छोटा हो जाना।

कारण

मौसम के अलावा आंखों के ड्राई होने के और भी कई कारण हो सकते हैं। विटामिन सी की कमी के कारण, महिलाओं में मेनोपॉज के बाद, कुछ दवाओं जैसे सल्फा ग्रुप इत्यादि के एलर्जी रीएक्शन के कारण, एलर्जी की समस्या से ग्रसित होने पर कुछ बीमारी जैसे की थॉयरायड जैसी समस्या होने पर, लंबे समय तक बिना पलक झपकाएं कंप्यूटर पर काम करते रहने से अधिक देर तक टीवी देखने से व उच्च स्तर के प्रदूषण के कारण।

समाधान

ड्राई आई की बढ़ती समस्याओं को देखते हुए उपचार के तौर पर अभी तक केवल आंखों में चिकनाई उत्पन्न करने वाला ड्राप बना है, लेकिन इस दिशा में और भी कुछ नए संभावित विकल्प के तौर पर उभर कर सामने आएं हैं। अब साइकलो स्पोरिन ड्राप जो कि रोगी के इमेन्यू सिस्टम के साथ काम करते हैं। रोगियों में कनेक्टिव-टिशू डिसआर्डर होने पर उनको वायरायड पैबौलॉजी करनी चाहिए। यह 40- 50 प्रतिशत मामलों में मददगार हो रहा है। यह आंखों में चिकनाई लाने वाली आई ड्राप्स की आवश्यकता को कम करता है। दूसरा विकल्प पंकटल प्लग का है। यह काफी छोटी प्लग होती है, जो आंसू के श्राव को बंद कर देती है। यह मुलायम सिमीकन की बनी होती है तथा इसे आसानी से लगाया जा सकता है। यह आंसूओं को रोकने में मदद करती है, जिससे की आंखों में नमी बरकरार रहें। इसके अलावा इस समस्या से ग्रसित लोगों को निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए। आंखों को डायरेक्ट हवा के संपर्क में न आने दें। इससे बचने के लिए चश्मे का इस्तेमाल करें। कंप्यूटर पर काम करने के दौरान बीच-बीच में पलक झपकाना नहीं भूलें। यदि कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल कर रहे हैं तो एक बार अपनी आंखों के डॉक्टर के पास जाएं। हेयर ड्रायर, कार हिटर, एसी ब्लोअर और पंखे से आंख को दूर रखें। धूप में जाने से पहले आंखों को कवर करना न भूलें। सर्दी के मौसम में कमरे को गर्म रखने वाले उपकरणों से आंखों को बचाएं। इसके लिए हीटर के पास एक मग पानी रख दें, ताकि रूम में नमी बनी रहें। कुछ लोग विशेष प्रकार के डिजायन किए गए ग्लास का उपयोग करते है। यह आंखों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। आंखों में जलन या खुजली महसूस होने पर इसे रगड़ने के बजाए आंखों पर ठंडे पानी से छींटे मारे।

■ डॉ. प्रतीप व्यास

सुबह-सुबह करें ये 4 काम नहीं बढ़ेगा बेली फैट

आप वजन कम करने की सोच रहे हैं तो सुबह कुछ बातों का ध्यान रखें। खास कर अगर आप बेली फैट कम करने की सोच रहे हैं तो आपको सुबह-सुबह हेल्दी खाना खाने के साथ एक्सरसाइज पर भी ध्यान देना होगा। सर्दियों की तुलना में गर्मियों में वजन कम करना अधिक आसान है, क्योंकि इस मौसम में अधिक व्यायाम किया जा सकता है। इसके अलावा आप इस मौसम में पानी और फल जैसे तरबूज और खरबूज लेते हैं, जो वजन कम करने में मदद करते हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं, ये टिप्स जिनका आपको सुबह के समय ध्यान रखना चाहिए:

1. सुबह एक्सरसाइज करने से कैलोरी बर्न करने में बहुत मदद मिलती है। इसलिए सुबह उठकर व्यायाम जरूर करना चाहिए।

2. सुबह-सुबह उठकर पानी पीने से वजन कम करने में मदद तो मिलती है साथ ही हेल्दी भी रहते हैं।

3. ब्रेकफास्ट में प्रोसेस फूड का इस्तेमाल न करें। इसके अलावा प्रीजर्वेटिव और शुगर से संबंधित चीजें भी ब्रेकफास्ट में नहीं लेनी चाहिए।

4. किसी भी स्थिति में सुबह का ब्रेकफास्ट नहीं छोड़ना चाहिए। एक्सपर्ट की मानें तो इससे आपके शरीर का फैट बर्निंग प्रोसेस कम हो जाता है।

प्याज का सूप

सामग्री

- 4 प्याज
- बटर: 2 चम्मच
- 1 गाजर
- पानी: 1 लीटर
- अजवायन: 2 चम्मच
- 2 लहसुन
- 2 आलू
- वेजिटेबल (अपनी पसंद के अनुसार): 1 कप
- नमक: स्वाद के अनुसार
- शक्कर: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च: स्वाद के अनुसार

विधि

प्याज, लहसुन, आलू और गाजर को छोटे- छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद मध्यम आंच पर पैन में बटर गर्म कर लें। जब बटर मेल्ट हो जाए तो उसमें प्याज और लहसुन के टुकड़े डाल दें। हल्का ब्राउन होने तक भूनें। इसके बाद मीडियम फ्लेम पर पानी गर्म करें। इसके बाद उसमें अजवायन और बाकी की सब्जियां डाल दें। साथ में शक्कर, नमक और काली मिर्च डालकर अच्छे से चलाएं। इसके बाद इसे 2 से 3 मिनट तक अच्छे से मिलने दें। जब यह उबलने लगे तो इसमें प्याज और लहसुन का पहले से तैयार किया हुआ मिक्सचर डाल दें। अब पैन में आलू और गाजर के टुकड़े डालें। इसके बाद मध्यम आंच पर 15 मिनट तक इसे पकाएं। जब यह पक जाए तो इसकी प्यूरी तैयार कर लें। अब दूसरे पैन में इस प्यूरी को डालकर 5 मिनट तक चलाएं। अब गर्मागर्म सर्व करें।

नूरी गोभी

सामग्री

■ गोभी: 1 किलो ■ नमक: स्वादानुसार ■ तेल: 150 मिली ■ तेजपत्ता: 6 ■ हरी इलायची: 6 ■ विनिगर: 2 चम्मच ■ जावित्री पाउडर: 1/ 2 चम्मच ■ नीबू का रस: 2 चम्मच ■ अदरक-लहसुन पेस्ट: 2 चम्मच ■ कटा हुआ प्याज: 4 ■ कटा हुआ टमाटर: 3 ■ हल्दी पाउडर: 1 चम्मच ■ लाल मिर्च पाउडर: स्वादानुसार ■ पानी: आवश्यकतानुसार ■ गरम मसाला पाउडर: 2 चम्मच ■ हरी मिर्च: 5 ■ कटी हुई धनिया पत्ती: 4 चम्मच ■ कटा हुआ लहसुन: 4 चम्मच ■ भुना हुआ काजू: 150 ग्राम

विधि

गोभी को धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें कटा हुआ लहसुन और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अदरक और लहसुन का पेस्ट और गोभी कढ़ाई में डालें और कढ़ाई को ढक दें। लगभग 10 मिनट बाद कढ़ाई में विनिगर, नीबू का रस और सभी पाउडर मसाला डाल दें। कुछ देर तक धीमी आंच पर पकाएं। भुने हुए काजू और धनिया पत्ती से सजा कर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

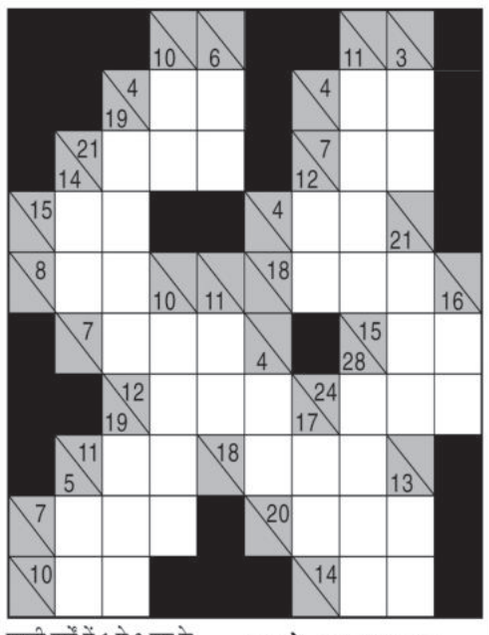

सलाहकार संपादक:

रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 2674

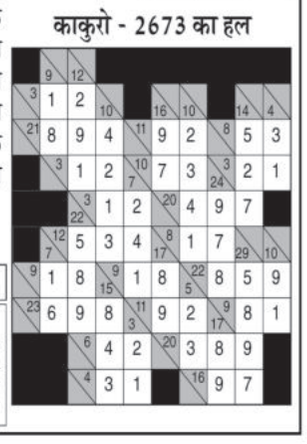

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2673 का हल

हंसी के फूव्वारें

तुम्हारे घर में किसका शासन चलता है ?

अपनी जगह सभी शासन करते हैं.

वह कैसे ?

मेरी पत्नी बच्चों पर शासन करती है, बच्चे नौकरों को डांटते रहते हैं और मैं कुत्ते-बिल्लयों को झिड़कता रहता हूँ.

□ □ □

मोहन तुम आजकल स्कूल में कैसे चल रहे हो ?

मोहन बोला- वाह पापाजी, मैं कभी आपसे आपके ऑफिस के बारे में बात करता हूँ ?

□ □ □

थका हुआ पति: आज शाम का घूमना तो रद्द करो.

पत्नी: आप तो सवेरे से ही कह रहे थे मैं तो तभी से मेकअप कर रही थी अब पूरा हुआ तो आप मना करने लगे.

□ □ □

दस साल के एक लड़के का दांत निकालने के बाद डॉक्टर ने उसके बाप से कहा-लाओ पांच रुपये.

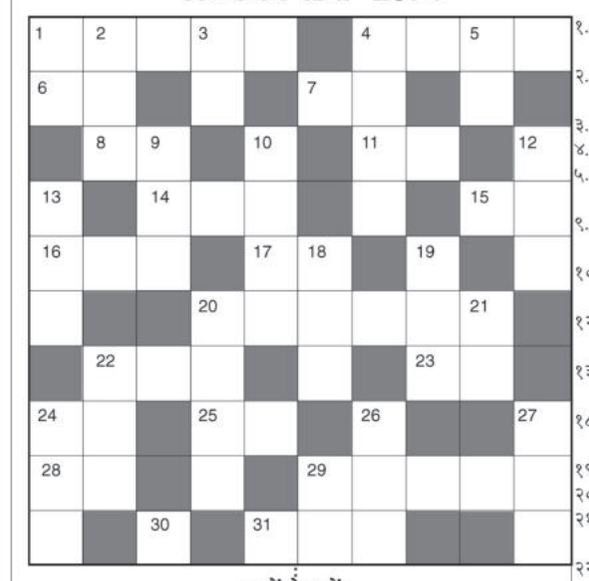

पांच रुपये ? मगर आपने तो पहले कहा था कि आप दांत उखाड़ने का एक रुपया लेते हैं.

ठीक है, मगर आपके लड़के की चिल्लाहट सुनकर दांत उखड़वाने के लिए आये हुए मेरे चार रोगी भी तो चले गये.

फिल्म वर्ग पहेली- 2674

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टारर फिल्म-२,१,१
६. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-२
७. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
८. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-२
१४. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
१७. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-४,२
२२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
२४. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-२
२८. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-२,१,२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-२
२. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-३
३. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
४. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-४
५. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
९. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-३
१०. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१३. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-३
१९. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका ?-३
२०. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-४
२१. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
२४. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-३
२६. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२७. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2673

सूडोकु -2674

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2673 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 2674

बाएँ से दाएँ

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.ढौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -2673 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी